



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

वर्ष: 38, अंक: 86 ग्वालियर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

डाक पंजीयन

RNI रजि. क्र. 50069/89

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

माटी कला को बढ़ावा देने के निर्देश, सेवा संकल्प अभियान के तहत लगाए गए 1,345 शिविर

मोहन कैबिनेट के फैसले : ईओडब्ल्यू को 345 करोड़, 12 जिलों में सूखे के आकलन पर चर्चा

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में किसान कल्याण, विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्रवाई से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हुई। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) के लिए 345 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। वहीं, प्रदेश के 12 जिलों में अल्पवर्षा की स्थिति की समीक्षा कर किसानों को राहत देने के लिए जिलेवार आकलन करने पर जोर दिया गया।

बैठक में नगरीय निकायों से जुड़े मामलों में 392 लोगों के

खिलाफ कार्रवाई की जानकारी दी गई। इन मामलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक की मदद लेने का भी उल्लेख किया गया। इसके अलावा छिंदवाड़ा, सागर, सिवनी और मुरैना से जुड़ी योजनाओं के लिए कुल 3,378 करोड़ रुपये की मंजूरी की जानकारी दी गई।

12 जिलों में अल्पवर्षा की समीक्षा : किसान कल्याण वर्ष के तहत किए गए कार्यों का प्रस्तुतिकरण भी बैठक में दिया गया। अलीराजपुर, इंदौर, उज्जैन, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार, शाजापुर और पांडुरा सहित 12 जिलों में कम बारिश



की स्थिति पर चर्चा हुई। अलीराजपुर में सामान्य से करीब 52 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज होने की जानकारी दी गई। सरकार ने जिलेवार आकलन के आधार पर किसानों को सहयोग देने की बात कही। इन जिलों को सूखा घोषित

करने की तैयारी का भी उल्लेख किया गया।

मिट्टी के दीये खरीदने की अपील : दीपावली पर पारंपरिक माटी कला को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में पहल

करने के निर्देश दिए। लोगों से मिट्टी के दीये खरीदने और स्थानीय कुम्हारों के उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ पारंपरिक कारीगरों की आजीविका को सहयोग देना है।

सेवा संकल्प अभियान की जानकारी : बैठक में बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 1,345 सेवा शिविर लगाए गए और 1,600 से अधिक सेवा ज्योति यात्राएं निकाली गईं। नमो सेवा नुक्कड़ टोली के माध्यम से भी जनसेवा से जुड़े प्रयास किए गए। पिछले दो सप्ताह में प्रदेश को मिले

विभिन्न पुरस्कारों की जानकारी भी साझा की गई। इनमें पीएम धन-धान्य कृषि योजना, राष्ट्रीय पोषण, पर्यटन और बिजली पारेषण में विद्युत हानि कम करने से जुड़ी उपलब्धियां शामिल रही।

बैठक में 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती, एक नवंबर को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस और 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती के आयोजनों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय मत्स्य नीति कार्यक्रम और इंदौर में हुए सेमीकंडक्टर सम्मेलन की जानकारी भी मंत्रिमंडल के सामने रखी गई।

नवग्रह मंदिर में शरद पूर्णिमा आज, बंटेगी खीर

ग्वालियर जीएनएस

अमरा पहाड़ स्थित प्राचीन नवग्रह मंदिर, गोल पहाड़िया पर मंगलवार, 27 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद खीर का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी। मंदिर के पुजारी धनीराम महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा पर धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने धर्मप्रेमी लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर पूजा-अर्चना में सहभागिता करने की अपील की है। मंदिर के सेवक धनलाल कुशवाह, बनवारी सिंह, नरेंद्र मंगल, राजू बाथम, किशोर गढ़ाचिया, गोपाल लोधी, रामोतार धाकड़, रामवीर कुशवाह और लाला कुशवाह सहित अन्य सेवकों ने भी श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया है।

कलेक्टर ने घायलों के उपचार की व्यवस्था कराई

सांदीपनि पद्मा विद्यालय में निर्माण के दौरान हादसा, चार श्रमिक घायल

ग्वालियर जीएनएस

शहर के सांदीपनि पद्मा विद्यालय में निर्माण कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में चार श्रमिक मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल जयराज अस्पताल समूह (जेएच) के ट्रामा सेंटर पहुंचाकर उपचार कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन की टीम को मौके पर भेजा और घायलों के बेहतर उपचार की व्यवस्था कराई। उन्होंने पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक अनंत कुमार सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर दुर्घटना की जांच कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद प्रबंध निदेशक ने चीफ प्रोजेक्ट इंजीनियर के नेतृत्व



में तकनीकी जांच दल भेजने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा सके। हादसे में घायल श्रमिकों में हरिराम बंसल (38) और राजेश

(30), दोनों निवासी दमोह, जबकि रामझरोखा (38) और दिलेश्वर (25), दोनों निवासी कोरबा, छत्तीसगढ़ शामिल हैं। सभी को मामूली चोटें आई हैं।

भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का मंचन

गिरिराज धरण मंदिर में धूमधाम से मनाया शरद पूर्णिमा महोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

मैथिल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में ग्राम धुआं, घाटीगांव स्थित श्री गिरिराज धरण मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की रासलीलाओं का मनमोहक मंचन किया गया। साथ ही अखंड रामायण पाठ, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। महोत्सव में समाज के लोगों और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी पंडित प्रभुदयाल झा ने भगवान को भोग अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद और खीर का वितरण किया गया।

धार्मिक आयोजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा।

महोत्सव का आयोजन संत भगत गिरिराज धरण मंदिर विकास समिति, धुआं घाटीगांव के अध्यक्ष सुनील झा और उनकी कार्यकारिणी के सहयोग से किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संजय झा, शिवदयाल ओझा, वासुदेव ओझा, वीरेंद्र झा, लखनलाल ओझा और शेरू झा सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर अध्यक्ष साकेत कुमार झा और उनके मित्रगण भी आयोजन में सहयोगी रहे।

मैथिल ब्राह्मण समाज मित्र मंडल, मुरार की ओर से महोत्सव में शामिल भक्तजनों और श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बिना लाइसेंस भंडारण पर दो संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज, जिला मजिस्ट्रेट के प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन का आरोप

ट्रांसपोर्ट नगर के दो गोदामों से 645 किलो कैल्शियम कार्बाइड जब्त

ग्वालियर जीएनएस

दीपावली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर ग्वालियर पुलिस ने बहोड़ापुर क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दो गोदामों पर कार्रवाई कर 645 किलो 310 ग्राम कैल्शियम कार्बाइड जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों गोदामों में बिना लाइसेंस कैल्शियम कार्बाइड का भंडारण किया जा रहा था। इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ भारतीय

न्याय संहिता की धारा 223(ए) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, 26 अक्टूबर को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित राजा स्टील के गोदाम में बड़ी मात्रा में कैल्शियम कार्बाइड रखे होने की सूचना मिली थी। प्रभारी पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर के निर्देश पर बहोड़ापुर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। गोदाम की जांच में छह सीलबंद लोहे के ड्रमों में 600



किलो कैल्शियम कार्बाइड मिला। गोदाम में मौजूद रीकेश पसरीजा (35), निवासी आदर्श कॉलोनी, शिंदे की छावनी, से भंडारण का

लाइसेंस मांगा गया, लेकिन वह प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने सामग्री जब्त कर अपराध क्रमांक 413/26 के तहत मामला दर्ज

किया।

छारिया हार्डवेयर स्टोर से भी बरामदगी : इसी दौरान पुलिस ने पार्किंग नंबर-1, ट्रांसपोर्ट नगर स्थित छारिया हार्डवेयर स्टोर के गोदाम की तलाशी ली। यहां एक लोहे के ड्रम में 45 किलो 310 ग्राम कैल्शियम कार्बाइड मिला। स्टोर संचालक अनिल कुमार छारिया (53), निवासी ट्रांसपोर्ट नगर, भंडारण और बिक्री का लाइसेंस नहीं दिखा

सका। पुलिस ने सामग्री जब्त कर अपराध क्रमांक 414/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया।

प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन पर कार्रवाई : पुलिस के अनुसार, जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने 22 अक्टूबर 2026 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत कैल्शियम कार्बाइड के निर्माण, संग्रहण और क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया था।

कार्बाइड गन का निर्माण, क्रय, विक्रय, भण्डारण व उपयोग प्रतिबंधित

श्वोपुर, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आगामी त्यौहारों के अवसर पर जिले में शांति, लोक व्यवस्था, आम नागरिकों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से कुछ व्यक्तियों एवं व्यापारियों द्वारा अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने के लिए लोहे, स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में कैल्शियम कार्बाइड अथवा अन्य रासायनिक एवं विस्फोटक पदार्थों का उपयोग कर अवैध रूप से संशोधित पटाखे एवं तथाकथित कार्बाइड गन तैयार किए जाने,

उनके भंडारण, विक्रय तथा उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाया गया है।
जारी आदेश के अनुसार इस प्रकार के अवैध एवं असुरक्षित उपकरणों के उपयोग से विस्फोट, आगजनी, आंखों एवं चेहरे पर गंभीर चोट, श्रवण क्षमता को क्षति तथा अन्य गंभीर शारीरिक दुर्घटनाएं घटित होने की आशंका रहती है। इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला श्वोपुर की संपूर्ण राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश

जारी किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था, व्यापारी, प्रतिष्ठान अथवा अन्य इकाई अवैध रूप से संशोधित पटाखों, कार्बाइड गन अथवा ऐसे किसी उपकरण का निर्माण, संयोजन, संशोधन या तैयारी नहीं करेगा, जिसमें लोहे, स्टील अथवा पीवीसी पाइपों या अन्य पात्रों में कैल्शियम कार्बाइड, विस्फोटक अथवा अन्य प्रतिक्रियाशील पदार्थों का उपयोग कर अत्यधिक ध्वनि, दबाव या विस्फोट उत्पन्न किया जाता हो।
उक्त अवैध एवं असुरक्षित उपकरणों तथा उनके निर्माण के लिए तैयार की गई ऐसी सामग्री का

अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण, परिवहन, आपूर्ति अथवा किसी अन्य माध्यम से व्यापार करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध किसी अन्य लागू कानून के अंतर्गत वैध रूप से अनुमत गतिविधियों को प्रभावित नहीं करेगा।
विधि के अंतर्गत अनुमत एवं प्राधिकृत आतिशबाजी पर लागू वैधानिक प्रावधानों, लाइसेंस की शर्तों, सुरक्षा मानकों तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाएगा। इस आदेश का आशय विधिसम्मत आतिशबाजी पर

स्वतः पूर्ण प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि अवैध रूप से संशोधित पटाखों एवं असुरक्षित विस्फोटक उपकरणों की गतिविधियों पर रोक लगाना है।
समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, पुलिस अधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में इस आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। आवश्यकता के अनुसार संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, दुकानों, गोदामों एवं अन्य संबंधित स्थलों पर विधि के

अनुरूप निरीक्षण एवं निगरानी की जाएगी।
इस आदेश का उत्तंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा लागू कानून एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रतिबंधित उपकरणों, विस्फोटक पदार्थों तथा संबंधित सामग्री की जब्ती अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908, विस्फोटक नियमों तथा अन्य लागू विधिक प्रावधानों के अंतर्गत विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद आयोजित

श्वोपुर, जीएनएस।
मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्वोपुर में शनिवार को 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, संविधान, मौलिक अधिकारों, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, यातायात सुरक्षा तथा जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक करना था।
कार्यक्रम का शुभारंभ श्वोपुर पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद के जिला नोडल अधिकारी श्री प्रवीण भूरिया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. मौजूद रहे।
'वी विल डू इट' के संदेश से विद्यार्थियों को किया प्रेरित
पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वी विल डू इट' (हम यह कर सकते हैं) संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को सदैव जागरूक, सजग एवं सक्रिय रहना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने जीवन में रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहकर समाज और राष्ट्र के विकास में



योगदान देना चाहिए। उन्होंने 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' को युवाओं में कानून के प्रति समझ विकसित करने तथा उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने की महत्वपूर्ण पहल बताया। संवाद के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।
'कानून, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक दायित्वों पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी'
कार्यक्रम में डॉ. सीमा चौकसे ने संविधान एवं मौलिक अधिकारों तथा डॉ. आसिफ कुरैशी ने राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों पर प्रकाश डाला। डॉ. संगीता शाक्य ने समावेशी समाज, महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर विचार व्यक्त किए। श्री संजय यादव ने साइबर सुरक्षा, डिजिटल नागरिकता एवं इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। आरआई श्री संजय राजपूत ने सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति

एवं हिंसा निवारण पर जानकारी दी। श्री पुरुषोत्तम मीणा एवं श्री दीपक मेहर ने आपातकालीन सेवाओं, फर्स्ट रिस्पॉन्डर पुलिस और आपदा प्रबंधन के विषय में बताया। वहीं डॉ. गायत्री मित्तल ने मानसिक स्वास्थ्य, कल्याण एवं आत्महत्या रोकथाम के संबंध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. शर्मा ने विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समझने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।
कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों को डायल 112 आपातकालीन सेवा का अवलोकन कराया गया। इस दौरान उन्हें आपात स्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा डायल 112 की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस गतिविधि से विद्यार्थियों को पुलिस की त्वरित सहायता प्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

ग्राम स्तरीय इकाईयों का गठन होगा

हर ग्राम में संचालित होगा पोषण जोड़ो-पुडिया छोड़ो अभियान

श्वोपुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान हर ग्राम में पोषण जोड़ो-पुडिया छोड़ो अभियान चलाये जाने के संबंध में विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई। लोगों को पोषण-स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा तम्बाकूयुक्त उत्पादों के सेवन से दूर रहने के लिए चलाये जा रहे इस अभियान के तहत आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, डीपीओ महिला बाल विकास श्री श्यामबाबू खरे, सहायक आयुक्त आदिम जाति श्री राकेश गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. पंचोरीया, आकांक्षी फेलो सुश्री दीपांशी जादौन आदि उपस्थित रहे।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि पोषण जोड़ो-पुडिया छोड़ो अभियान को व्यापक रूप देने के उद्देश्य से जिले के प्रत्येक गांव में ग्राम स्तरीय इकाईयों का गठन किया जायेगा, जिनके द्वारा अभियान का संचालन करते हुए निगरानी की जायेगी तथा जन चेतना के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसके लिए गांव में स्वयंसेवकों का चयन कर इकाई गठित की जायेगी। जनभागीदारी एवं



जनजागरूकता के लिए आमजन, शासकीय कर्मचारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित कर सामूहिक प्रयासों से अभियान को सफल बनाने का कार्य किया जायेगा।
प्रत्येक सप्ताह कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत द्वारा किसी एक ग्राम में जाकर चौपाल आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों को तंबाकू एवं गुटखा सेवन के दुष्प्रभावों, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा तथा अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम को अभियान से

जोड़कर स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा संबंधी संकेतकों में सुधार हेतु समन्वित प्रयास करना है।
स्वास्थ्य एवं तंबाकू निषेध तंबाकू एवं गुटखा सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने प्रचार-प्रसार के माध्यम के तहत पोस्टर, वीडियो, लघु फिल्म एवं दीवार लेखन कर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। विद्यालयों में बालसभा के माध्यम से बच्चों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक किया जायेगा तथा ग्राम चौपालों का आयोजन कर ग्रामीणों के साथ संवाद किया जायेगा।

गेंदा, गुलाब आदि फूलों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें-कलेक्टर

श्वोपुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा है कि रबी फसलों के लिए लक्षित 1 लाख 85 हजार हेक्टर में बोवनी के अनुरूप खाद-बीज की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि जिले में गेंदा, गुलाब आदि फूलों की खेती फ्लोरीकल्चर के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जायें तथा उद्यानिकी के रकबे को 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जायें।
वे आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित रबी फसलों की तैयारियों के साथ ही कृषि आदान विभागों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा

कि अन्य कृषि आदान विभाग पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, सहकारिता समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों की आजीविका बढ़ाने के लिए कार्य करें। कृषि के साथ ही पशुपालन, मत्स्यपालन एवं उद्यानिकी को बढ़ावा दिया जायें, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय की प्राप्ति होगी।
बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. सुभाषबाबू दोहरे, सहायक संचालक मत्स्य श्री नीरज शर्मा, सीसीबी नोडल श्री दिनेश गुप्ता, उद्यानिकी से श्री एसएस प्रजापति आदि विभागों के अधिकारी

उपस्थित थे।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि जिले में दलहन और तिलहन फसलों के साथ ही फ्लोरीकल्चर को बढ़ावा दिया जायें। किसानों को फूलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करते हुए शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जायें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए जिले में 25 कलस्टर बनाकर 3 हजार 125 किसानों का पंजीयन किया गया है तथा 1250 हेक्टर क्षेत्र में प्राकृतिक और जैविक खेती का लक्ष्य निर्धारित है। इस अनुरूप जैविक खेती को बढ़ावा दिया जायें और किसानों को तकनीकी सहायता प्रदान की जायें। इस कार्य

में चिन्हित 50 कृषि सखियों का सहयोग भी लिया जायें।
उन्होंने कहा कि किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर एनपीके उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जायें। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद वितरण की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि जिन कोटवारों के पास सेवा भूमि है, उन्हें ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक प्राप्त हो, यह सुनिश्चित किया जायें। इसके साथ ही उन्होंने विपणन संघ के श्वोपुर, बड़ौदा एवं विजयपुर स्थित विक्रय केन्द्रों पर खाद वितरण व्यवस्था के संबंध में डिस्ट्री बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिये।
बैठक में बताया गया कि रबी

के लिए इस वर्ष कुल 1 लाख 85 हजार हेक्टर रकबा प्रस्तावित किया गया है, जिसमें 1 लाख 24 हजार गेहूं के लिए, 50 हजार सरसों के लिए, 10 हजार हेक्टर चने के लिए, 250 हेक्टर जो के लिए, 300 हेक्टर मटर के लिए, 250 हेक्टर मसूर के लिए, 200 हेक्टर अलसी के लिए लक्षित है।
रबी फसलों के लिए उर्वरक का पर्याप्त भण्डारण करने के निर्देश कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने बैठक के दौरान निर्देश दिये कि रबी फसलों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक का भण्डारण सुनिश्चित किया जाये। बैठक में जानकारी दी गई कि रबी फसलों के लिए वर्तमान में 9 हजार 87 मैट्रिक टन

यूरिया, 3 हजार 813 मैट्रिक टन डीएपी एवं टीएसपी, 5 हजार 499 मैट्रिक टन एनपीके, 2240 मैट्रिक टन एसएसपी तथा 123 मैट्रिक टन एमओपी की उपलब्धता है। इसके साथ ही शिवपुरी में एक-दो दिन में लगने वाली रैक से 900 मैट्रिक टन यूरिया ओर उपलब्ध होगा।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि पशुपालन की गतिविधियों को बढ़ाया जाये तथा दुग्ध उत्पादन से पशुपालकों को जोड़ने हेतु मार्केट लिंकेज कराया जायें। इसके साथ ही दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जायें। वर्तमान में 8 समितियों का गठन किया गया है।

ग्वालियर जिले में एसएमएस युक्त कम्बाइन हार्वेस्टर का उपयोग अनिवार्य

पराली कटाई के लिये कम्बाइन हार्वेस्टर में एसएमएस न लगाया तो होगी सख्त कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस।
हार्वेस्टर संचालकों को जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से आगाह किया गया है कि वे धान की कटाई के समय हार्वेस्टर में एसएमएस (स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम) अनिवार्यतः लगाएं, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। ग्वालियर जिले में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने एवं पराली व नरवाई प्रबंधन के

उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा धान कटाई में उपयोग में लाए जाने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर में एसएमएस (स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम) का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है। सहायक कृषि यंत्री कर्मशाला से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएमएस कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल कटाई के साथ-साथ फसल के बचे हुए अवशेषों अर्थात् पराली इत्यादि

को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बिखेर देता है। इससे पराली का प्रबंधन हो जाता है। साथ ही खेतों की उर्वरता भी बढ़ जाती है। जिले में नरवाई व पराली जलाने पर प्रतिबंध, जलाने वालों पर लगेगा जुर्माना पराली व नरवाई (फसल अवशेष) जलाना दण्डनीय अपराध है। ग्वालियर जिले में पराली जलाने वालों पर जुर्माना लगाया जायेगा। नेशनल ग्रीन

ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान द्वारा इस आशय का आदेश जारी किया गया है। आदेश के पालन के लिये जिला दण्डाधिकारी द्वारा संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में समितियाँ भी गठित कर दी हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पराली जलाने वालों पर दो एकड़ से कम भूमि धारक को

2500 रूपए प्रति घटना, दो एकड़ से अधिक व पाँच एकड़ से कम भूमि धारक को 5 हजार रूपए प्रति घटना एवं पाँच एकड़ से अधिक भूमि धारक को 15 हजार रूपए प्रति घटना पर्यावरण मुआवजा देना होगा। पराली जलाने से घटती है खेत की उर्वरा शक्ति जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे अपने खेतों में पराली व नरवाई इत्यादि फसल

अवशेष न जलाएं, इससे पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचती है। साथ ही खेत की मिट्टी के लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु मर जाते हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार पराली जलाने से भूमि में अम्लीयता बढ़ती है, जिससे मृदा को अत्यधिक क्षति पहुँचती है। सूक्ष्म जीवाणुओं की सक्रियता घटने लगती है एवं भूमि की जलधारण क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

जिले के किसानों को अनुदान पर मिलेंगे एसएमएस उपकरण, 29 अक्टूबर तक आवेदन मांगे

पराली का वैज्ञानिक प्रबंधन में कारगर होते हैं एसएमएस उपकरण

ग्वालियर, जीएनएस।
कम्बाइन हार्वेस्टर में एसएमएस (स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम) लगाकर धान की कटाई करने पर स्वतः ही पराली का वैज्ञानिक प्रबंधन हो जाता है। इससे पराली जलाने की जरूरत नहीं रहती। खेत में ही पराली का प्रबंधन होने से मिट्टी को उत्पादन बढ़ाने वाले पोषक तत्व मिल जाते हैं। जिला प्रशासन द्वारा ग्वालियर जिले में कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ एसएमएस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। ग्वालियर जिले में एसएमएस लेने के इच्छुक किसानों व नागरिकों से 29 अक्टूबर तक आवेदन मांगे गए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा एसएमएस खरीदी पर 59 हजार 700 रूपए का अनुदान दिया जाता है। सहायक कृषि यंत्री कर्मशाला से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएमएस कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल कटाई के साथ-साथ फसल के बचे हुए अवशेषों

अर्थात् पराली इत्यादि को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बिखेर देता है। इससे पराली का प्रबंधन हो जाता है। साथ ही खेतों की उर्वरता भी बढ़ जाती है। ऑनलाइन किए जा सकते हैं आवेदन राज्य सरकार द्वारा कृषकों को अनुदान पर एसएमएस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्वालियर जिले के ऐसे कृषक जिनके पास कम्बाइन हार्वेस्टर है, वे अनुदान पर एसएमएस प्राप्त करने के लिये 29 अक्टूबर तक <https://farmer.mpdage.org> पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ कम्बाइन हार्वेस्टर की आरसी, खेती की बी-1 (खतौनी) एवं सहायक कृषि यंत्री ग्वालियर के नाम 3500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना होगा। सरकार द्वारा एसएमएस खरीदी पर 59 हजार 700 रूपए का अनुदान दिया जाता है। विस्तृत जानकारी के लिये मेला रोड स्थित कृषि विभाग की कर्मशाला में संपर्क किया जा सकता है।

ग्वालियर में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 9 प्रकरण दर्ज गुड़ लहान सहित अवैध देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त जम्बू मदिरा की अनुमानित कीमत 1.70 लाख रूपए

ग्वालियर, जीएनएस।
आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रविवार को विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध देशी एवं विदेशी मदिरा के साथ लगभग 1,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 36(क) के तहत कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए। जब्त अवैध मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 70 हजार रूपए बताई गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर सिकंदर कंठ, हजीरा, बिरला नगर कॉलोनी, चक केशवपुर, डबरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में दबिश दी गई।



सिकंदर कंठ क्षेत्र में देशी मदिरा जब्त: सिकंदर कंठ क्षेत्र के गढ़े वाले मोहल्ले में पुलिया के पास से दो आरोपियों शिवम राठौर एवं अमन नरौदे के आधिपत्य से देशी मदिरा प्लेन के कुल 29 पाव जब्त किए गए। वहीं, लखड़खाना पुल के पास से एक अन्य आरोपी के कब्जे से देशी मदिरा प्लेन के 13 पाव जब्त किए गए। इन मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। दोनों प्रकरणों में नमूने लेकर भौतिक परीक्षण एवं ईएएल स्कैन किया गया।

नयागांव में 1,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद
नयागांव स्थित कंजर डेरे से आठ ड्रमों में लगभग 1,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। मौके से नमूने लेने के बाद शेष गुड़ लहान को नष्ट कर दिया गया। इस मामले में तीन प्रकरण दर्ज किए गए। आबकारी विभाग की टीम ने आरोपी क्षेत्र के ग्राम बारहमासी में आरोपी रामनिवास रावत के कब्जे से देशी मदिरा प्लेन के 15 पाव जब्त कर धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया। मोहना क्षेत्र में अवैध रूप से

मदिरापान कराने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में धारा 36(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसी क्रम में जौरासी के पास यादव ढाबे से मैकडॉवेल्स व्हिस्की के 53 पाव एवं बीयर के 24 कैन जब्त किए गए। इस मामले में भी संबंधित आरोपी के विरुद्ध धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। यह कार्रवाई आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजेश तिवारी के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक हरेन्द्र मावई, शिवा रघुवंशी एवं सतेंद्र मीणा सहित मुख्य आरक्षक रवि बघेल, ब्रजेश नागर, राजेंद्र अहिरवार तथा आरक्षक भारत जाटव, राहुल त्यागी, राघवेंद्र भदौरिया, मातादीन धाकड़, संजय दोहरे, देवेश शर्मा, बादल अहिरवार, दिव्यांश गौड़, राघवेंद्र बौहरे एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

ई-टोकन व्यवस्था के तहत किसानों को खाद उपलब्ध कराने खाद दुकानों का निरीक्षण जारी

कृषि विभाग के दलों द्वारा 10 खाद दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
जिले के किसानों को राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था के तहत पारदर्शिता के साथ गुणवत्तायुक्त खाद (उर्वरक) उपलब्ध कराने के लिये जिला प्रशासन द्वारा लगातार खाद-बीज की दुकानों का निरीक्षण कराया जा

रहा है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के दलों द्वारा रविवार को जिले की 10 खाद दुकानों का निरीक्षण किया गया। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि विभाग के निरीक्षण दलों द्वारा खाद की दुकानों पर पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध

वास्तविक स्टॉक का मिलान किया जा रहा है। साथ ही ई-टोकन व्यवस्था को पारदर्शिता के साथ लागू कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन खाद की दुकानों पर पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक स्टॉक का मिलान नहीं होगा, उनके खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जायेगी। उप संचालक कृषि ने बताया कि रविवार को विभागीय

दलों द्वारा गणेश ट्रेडिंग कंपनी मुरार, न्यू गंधीर खाद भण्डार मुरार, माटूलाल हरिशंकर गंज मुरार, शिव फर्टिलाइजर लक्ष्मीगंज, साईं कृषि सेवा केन्द्र व शीतला खाद बीज भण्डार गुड़ी गुड़ा का नाका का निरीक्षण किया गया। इसी तरह विभागीय टीम ने डबरा स्थित कामतानाथ बीज भण्डार, माँ उर्वरक खाद भण्डार व किसान एग्रीटेक संस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान

पीओएस में दर्ज खाद स्टॉक और मौके पर उपलब्ध स्टॉक का मिलान किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद वितरण में पारदर्शिता के साथ कोई समझौता न हो। साथ ही किसानों को ई-टोकन व्यवस्था के तहत सुचारु रूप से खाद दिलाना सुनिश्चित करें। किसानों के हितों के विपरीत कोई अनियमितता पाई जाए तो सख्त कार्रवाई करें।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

अन्न के लिए आखिर कब तक तरसेंगे लोग?

अनाज के पर्याप्त उत्पादन के बावजूद भूख और कुपोषण की चुनौती, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत

भारत दुनिया के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है। सरकारी गोदामों में अनाज पहुंचता है और करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन भी मिलता है। इसके बावजूद देश में भूख और कुपोषण की समस्या बनी हुई है। यह स्थिति खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, सामाजिक असमानता और विकास की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वैश्विक भूख सूचकांक 2026 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत 122 देशों की सूची में 28.1 अंक के साथ 100वें स्थान पर है। यह आंकड़ा बताता है कि अनाज का पर्याप्त उत्पादन होने के बावजूद हर व्यक्ति तक पौष्टिक भोजन पहुंचाना बड़ी चुनौती है।

भूख केवल खाली पेट सोने का नाम नहीं है। शरीर की जरूरत के अनुसार भोजन न मिलना, आवश्यक पोषक तत्वों की कमी और बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास प्रभावित होना भी इसी समस्या का हिस्सा है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं है कि देश में कितना अनाज पैदा हो रहा है, बल्कि यह है कि प्रत्येक नागरिक को पर्याप्त, संतुलित और पौष्टिक भोजन मिल रहा है या नहीं।

भारत में गेहूं और चावल का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लगभग 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, आंगनवाड़ी सेवाएं, विद्यालयों में पोषण आहार और पोषण अभियान जैसी योजनाएं भी संचालित हैं। इसके बावजूद कुपोषण का बने रहना बताता है कि योजनाओं की उपलब्धता और उनके वास्तविक परिणामों के बीच अंतर है।

गेहूं और चावल से पेट भरा जा सकता है, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए दाल, दूध, फल, सब्जियां और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी जरूरी हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए इन वस्तुओं को नियमित रूप से खरीदना मुश्किल होता है। महंगाई, अनिश्चित रोजगार, कम मजदूरी और आय में असमानता उनकी परेशानी बढ़ाते हैं। ऐसे में मुफ्त अनाज मिलने के बावजूद परिवारों के पोषण की समस्या दूर नहीं हो पाती। बचपन में पर्याप्त पोषण शरीर और मस्तिष्क के विकास की नींव है। इसकी कमी से बच्चों की लंबाई, वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। वैश्विक भूख सूचकांक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में अवरुद्ध वृद्धि का अनुपात 29.3 प्रतिशत और लंबाई के अनुपात में कम वजन का अनुपात 19 प्रतिशत बताया गया है। ये आंकड़े बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताते हैं। गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों के पोषण को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। महिलाओं में खून की कमी का असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, बच्चों के वजन और लंबाई की नियमित निगरानी करने तथा कुपोषित बच्चों को समय पर उपचार देने की आवश्यकता है। सरकारी योजनाओं की सफलता केवल बजट खर्च करने या लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने से तय नहीं हो सकती।

प्रांतीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रांतीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

उम्र में जब जिद पर आ गए गांधीजी!

गांधीजी यानी राहुल गांधी जिद पर आ गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से 200 सीटें मांगी हैं। इतनी सीटें अखिलेश यादव देंगे या गठबंधन टूट जाएगा, कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस की इस मांग ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल जरूर खड़ा कर दिया है—क्या कांग्रेस अपनी चुनावी ताकत से ज्यादा सीटें मांग रही है, या राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को फिर से खड़ा करने के लिए बड़ा दांव खेल रहे हैं?

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अकेले मैदान में उतरी थी। नतीजा यह हुआ कि 403 सीटों वाली विधानसभा में उसके हिस्से में आई सिर्फ दो सीटें। इससे पहले 2017 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके भी कांग्रेस केवल सात सीटें जीत पाई थी। लेकिन राजनीति में पुरानी हारों का हिसाब हमेशा वर्तमान की महत्वाकांक्षाओं को नहीं रोकता।

बात वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की करना जरूरी है। इस चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को नया आत्मविश्वास दिया। समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं और कांग्रेस को छह सीटों पर कामयाबी मिली। दोनों ने मिलकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका दिया और भाजपा का अश्वमेध खूंट से बांध दिया। भाजपा 400 पार नहीं कर सकी, उल्टे भाजपा को टीडीपी और जेडीयू की बैशाखी लगाकर सरकार बनाना पड़ी।

कांग्रेस का तर्क है कि जब लोकसभा में दोनों पार्टियां मिलकर भाजपा को चुनौती दे सकती हैं, तो



विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन को सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। बात में दम है। मगर सवाल यह है कि सम्मानजनक हिस्सेदारी आखिर कितनी? 175 से 200 सीटें! यानी विधानसभा की लगभग आधी सीटें।

अब जरा अखिलेश यादव की स्थिति भी समझिए। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से कहीं बड़ी चुनावी ताकत है। उसके पास अपना संगठन है, अपना सामाजिक आधार है और 2024 के लोकसभा चुनाव की सफलता भी है। ऐसे में कांग्रेस की सूची देखकर सपा के नेताओं के माथे पर बल पड़ना स्वाभाविक है। उनका कहना है कि सीटें मांगने से नहीं, जीतने की क्षमता से मिलनी चाहिए। और यह बात कांग्रेस को भी समझनी होगी।

लेकिन गांधीजी यानी राहुल गांधी के लिए यह सिर्फ सीटों का सवाल नहीं है। कांग्रेस अगर उत्तर प्रदेश में फिर से अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, तो उसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा रखनी ही होगी। यही इस विवाद का

असली पेच है।

कांग्रेस को अधिक सीटें चाहिए ताकि वह अपना संगठन खड़ा कर सके। सपा को ऐसी सीटें चाहिए जहां गठबंधन का उम्मीदवार भाजपा को हरा सके। दोनों का लक्ष्य भाजपा को सत्ता से हटाना बताया जा रहा है, लेकिन उस लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता दोनों अपने-अपने हिसाब से तय करना चाहते हैं।

तो क्या गठबंधन टूट जाएगा?

अभी ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। सीटों की सूची सौदेबाजी की शुरुआत भी हो सकती है। राजनीति में पहले बड़ी मांग रखना और फिर बातचीत के बाद बीच का रास्ता निकालना कोई नई बात नहीं है। लेकिन अगर कांग्रेस ने संख्या को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया और समाजवादी पार्टी ने अपनी ताकत के आगे किसी तरह का समझौता करने से इनकार कर दिया, तो मुश्किल जरूर बढ़ेगी।

याद रखिए, उत्तर प्रदेश में भाजपा

को चुनौती देने के लिए विपक्षी एकता महज नारा नहीं, चुनावी जरूरत भी है।

इसलिए राहुल गांधी को सोचना होगा कि उन्हें सीटों की बड़ी संख्या चाहिए या भाजपा को हराने वाला मजबूत गठबंधन।

और अखिलेश यादव को भी तय करना होगा कि कांग्रेस को कितनी जगह देकर गठबंधन की ताकत बढ़ाई जा सकती है।

क्योंकि चुनाव में जिद से सुखियां तो मिल सकती हैं, सीटें नहीं।

फिलहाल उत्तर प्रदेश की राजनीति में सवाल यही है—गांधीजी अपनी जिद पर अड़े रहेंगे, या अखिलेश यादव के साथ बैठकर कोई बीच का रास्ता निकालेंगे?

फैसला अभी बाकी है। और इस फैसले का असर सिर्फ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर नहीं, 2027 में उत्तर प्रदेश की पूरी चुनावी लड़ाई पर पड़ सकता है। संतोष की बात ये है कि कांग्रेस की मांग पर अभी अखिलेश यादव बौखलाए नहीं हैं। इससे लगता है कि वे किसी भी कीमत पर कांग्रेस से अपना गठबंधन टूटने नहीं देंगे।

मजे की बात ये है कि कांग्रेस की मांग के बाद भाजपा और बसपा के मन में लड्डू फूट रहे हैं। सबको लगता है कि कांग्रेस और सपा का गठबंधन अब टूटा कि तब टूटा। भाजपा और सपा का गठबंधन ही भापा और बसपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। लेकिन भाजपा और बसपा शायद ये नहीं जानती कि जब मौजूदा विधायकों का टिकट कटेगा तो वे भागकर कांग्रेस और सपा की ओर ही भागेंगे।

@ राकेश अचल

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

सौरभ वाष्णीय

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है।

देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित %वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है। विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबर्स तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक

व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए।

सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है।

यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर,

यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए।

विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे।

इस आंदोलन के बीच यूट्यूबर्स और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक

विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है। आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो।

यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतंत्र पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं।

इसलिए डिजिटल माध्यमों से उठने वाली आवाजों को केवल उनकी राजनीतिक पसंद के आधार पर खारिज करना उचित नहीं है। उनकी सामग्री की जांच तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। स्वतंत्र पत्रकारिता का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह सत्ता से भी सवाल पूछे और विपक्ष के दावों की भी निष्पक्ष पड़ताल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने युवाओं के सामने विकास, रोजगार, अवसरों और बेहतर भविष्य की उम्मीदें रखी थीं। आज युवाओं का एक वर्ग रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, महंगाई, शिक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे सवालों को लेकर मुखर दिखाई देता है।

कठिन योगासनों के प्रदर्शन के साथ तीन दिवसीय योग शिविर का समापन

गुना, जीएनएस।

मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधान में गुना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा विकास नगर स्थित शिव शक्ति कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित तीन दिवसीय विशेष योग शिविर का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। समापन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुना के विभाग प्रचारक नितिन अग्रवाल, नेशनल योगासन जज एवं गुना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगाचार्य महेश पाल, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन जिला अध्यक्ष बलविंदर सिंह रंधावा, मध्य प्रदेश हॉकी संघ के संयुक्त सचिव श्री बृजेश दुबे, चरण सिंह लोधा, शिव प्रताप सोलंकी तथा विद्यालय संचालक अभिषेक श्रीवास्तव सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित

कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शिविर के अंतिम दिन योगाचार्य महेश पाल ने विद्यार्थियों को पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने, चिड़चिड़ापन एवं मानसिक तनाव को नियंत्रित करने, बेहतर नींद तथा पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न योगाभ्यास कराए। इनमें सूर्य नमस्कार, ऊर्ध्व हस्तासन, पादहस्तासन, पर्वतासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन एवं मकरासन के साथ नाडीशोधन और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास शामिल रहा। उन्होंने बताया कि नियमित एवं सही तरीके से किया गया योगाभ्यास शरीर की गतिशीलता, मांसपेशियों की कार्यक्षमता, श्वसन नियंत्रण और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। योग और प्राणायाम के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए योगाचार्य महेश



पाल ने बताया कि सूर्य नमस्कार जैसे अभ्यास शरीर के विभिन्न मांसपेशी समूहों को सक्रिय करते हैं तथा शारीरिक सहनशक्ति, लचीलापन और समन्वय विकसित करने में मदद करते हैं। वहीं, नाडीशोधन एवं भ्रामरी प्राणायाम के दौरान नियंत्रित और धीमी श्वास लेने से शरीर की तनाव-प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने तथा मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन में

सहायता मिल सकती है। भ्रामरी के दौरान उत्पन्न होने वाला गुंजन ध्यान को श्वास और ध्वनि पर केंद्रित करने में मदद करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और शारीरिक गतिविधि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। योग स्वस्थ जीवनशैली का एक उपयोगी हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को सात्विक

एवं संतुलित भोजन अपनाने, सुबह समय पर उठने, रात में पर्याप्त नींद लेने, नियमित योगाभ्यास करने और पढ़ाई के साथ शारीरिक गतिविधियों के लिए समय निकालने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि योग से बच्चों में छोटी उम्र से ही अनुशासित दिनचर्या विकसित होने से उनकी शारीरिक सक्रियता, आत्मविश्वास और पढ़ाई के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। योगाचार्य महेश पाल ने विद्यार्थियों को योगासन खेल से जुड़ने और नियमित अभ्यास के माध्यम से अपनी क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया और बच्चों को योगासन खेल की संभावनाओं तथा जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण

योगासन खेल से संबंधित कठिन आसनो का प्रदर्शन योगासन खिलाड़ी शुभी वर्मा द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने चक्रासन, धनुरासन, हनुमानासन, वकासन एवं एकपाद मयूरासन सहित विभिन्न उन्नत योगासनों का प्रदर्शन कर उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों को प्रभावित किया। विद्यालय की छात्राओं ने आत्मरक्षा से संबंधित अभ्यासों का प्रदर्शन कर आत्मविश्वास, सतर्कता और स्वयं की सुरक्षा के महत्व को प्रस्तुत किया। विभाग प्रचारक नितिन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में योग एवं ध्यान को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, बलविंदर सिंह रंधावा और बृजेश दुबे ने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और शारीरिक सक्रियता को स्वस्थ जीवनशैली के महत्वपूर्ण आधार बताया।

छात्र-छात्राएं कृषि विषय चयन कर बनें कृषि वैज्ञानिक- डॉ. वाय.पी. सिंह

ग्वालियर, जीएनएस।

शासकीय हाई स्कूल, बिरखड़ी, गोहद के छात्र-छात्राओं को, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर के भ्रमण के दौरान अधिष्ठाता डॉ. वाय.पी. सिंह ने छात्रों से कृषि संबंधित व्यवसायिक परामर्श/करियर मार्गदर्शन के बारे चर्चा की। अधिष्ठाता ने कृषि की विभिन्न शैक्षणिक इकाईयों के बारे में छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विश्वनाथ सिंह कंसाना ने कृषि विषय पर विभिन्न प्रकार के कृत्रिम मॉडलों का छात्र-छात्राओं को भ्रमण कराकर कृषि संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की। डॉ. कंसाना एवं डॉ. आर.के. जायसवाल, विभागाध्यक्ष, उद्यानिकी विभाग ने

कृषि महाविद्यालय की नर्सरी, पौधशाला एवं पौध प्रबंधन की जानकारी दी। छात्र-छात्राओं ने कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेशन एवं उद्यमिता केन्द्र के प्रभारी डॉ. वाय.डी. मिश्रा ने सफल उद्यमी बनने के लिए छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के आयाम बताये एवं इसमें संचालित समय-समय पर प्रशिक्षण से संबंधित भी तकनीकी जानकारी प्रदाय की साथ ही कृषि में सफल नवाचार ड्रोन तकनीकी एवं ड्रोन से कृषि कार्य में भूमिका एवं इसका महत्व के बारे में विस्तार से

समझाया कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेशन एवं उद्यमिता केन्द्र के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी श्री अंकित रजक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री सतीश शर्मा सहायक प्रबंधक एवं ड्रोन संचालक, श्रीमती तुषी प्रधान ने भ्रमण कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। इस भ्रमण कार्यक्रम में डॉ. शशि यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान, डॉ. वंदना यादव, सहायक प्राध्यापक, पशुपालन ने नशा मुक्ति अभियान विषय पर भी बच्चों को जागरूक कर कृषि एवं पशुपालन विषय पर देश में योगदान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

इसके उपरांत डॉ. जितेन्द्र सिंह राजपूत, वैज्ञानिक, पशुपालन ने छात्र-छात्राओं को कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्वालियर की विभिन्न इकाईयों में डाले गये प्रदर्शन, नर्सरी, उद्यानिकी, कुकुट पालन, बकरी इकाई, सफल संचालित कड़कनाथ इकाई इत्यादियों को भ्रमण कराकर तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस एकपोजर भ्रमण कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल, बिरखड़ी, गोहद, भिण्ड से चांदनी जादौन, पूजा शर्मा, रामलखन सिंह एस.आर.एफ. फाउण्डेशन, भिण्ड, सियाशरण शर्मा, प्रयोगशाला सहायक, अमन व्यास, पुस्पेन्द्र कुशवाह, एस.आर.एफ. फाउण्डेशन, भिण्ड एवं सचिन गुर्जर सहित लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने इस एक्सपोजर भ्रमण में सहभागिता कर लाभ लिया।

ग्वालियर की ग्रास रूट प्रमोशन एंड डेवलपमेंट की हॉकी टीम ने इंदौर में आयोजित अखिल भारतीय अंडर 12 हॉकी प्रतियोगिता में बनी विजेता

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रतियोगिता में शामिल दर्पण हॉकी फीडर सेंटर के खिलाड़ियों को हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर द्वारा किया गया सम्मानित ! आइ.ए.टी.वी. एजुकेशन एकेडमी इंदौर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंडर 12 हॉकी प्रतियोगिता में ग्वालियर के दर्पण हॉकी फीडर सेंटर, छतरी बाजार हॉकी फीडर सेंटर एवं खेलो इंडिया हॉकी सेंटर के संयुक्त खिलाड़ियों से सुसज्जित ग्वालियर ग्रास रूट प्रमोशन एंड डेवलपमेंट संस्था की टीम जो कि ग्वालियर के



वरिष्ठ खेल प्रशासक एवं राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक पिसाल जी के अथक प्रयासों से बनी है, यह हॉकी टीम अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए हॉकी प्रशिक्षक राजू चौहान, मैनेजर दीपक बाथम के नेतृत्व में इंदौर गई है, ग्वालियर की टीम ने

आज फाइनल मुकाबले में मंदसौर को 4-2 से रौंदकर खिताब पर अपना कब्जा जमा लिया है! फाइनल मुकाबले में दर्पण की फीडर सेंटर के माणिक वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मैदानी गोल किए वहीं टीम के कप्तान दर्पण हाकी फीडर सेंटर के खिलाड़ी अहान शर्मा ने एक गोल किया , एवं दर्पण हॉकी फीडर सेंटर के ही नवोदित वंश गौड ने एक गोल किया! टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड दर्पण हॉकी फीडर सेंटर के अहान शर्मा को मिला वहीं फाइनल मैच का प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

भी अहान शर्मा के नाम रहा ! यह टीम ग्वालियर के वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ियों जिसमें रईस कुरैशी, दिलशाद खान, अविनाश भटनागर, निक्की कौशल, पुष्पेंद्र सिंह, मेराजुद्दीन कुरैशी, विक्रम सिंह, रितु अनामिका तिव्की मनोज परिहार, श्रीमती ममता सिंह, फिरोज खान आदि के प्रयासों से टीम का गठन कर टूर्नामेंट खेलने के लिए गई है, ग्वालियर के सभी हॉकी प्रेमियों एवं शुभचिंतकों की तरफ से टीम की ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं!

सहकारी समिति सचिव के सहायक के घर से राशन बरामद

भिण्ड, जीएनएस।

भिण्ड जिले के अटोर विकासखंड के ग्राम निवारी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में अनियमितता की दिनांक 24 अक्टूबर 2026 को शाम को कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन को शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम पंचायत निवारी में सहकारी समिति के सचिव वीरेंद्र यादव के सहायक मनोज बघेल द्वारा पीडीएस के ट्रक से अपने घर पर राशन सामग्री उतारी गई है। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते

हुए एसडीएम अटोर श्री विनोद सिंह को जांच के निर्देश दिए। एसडीएम अटोर ने सुबह 11:30 बजे ग्राम निवारी बघेलन के पुरा स्थित मनोज कुमार बघेल के घर का निरीक्षण किया। यहां घर के अंदर दो टर्कियों में गेहूं और बैठक कक्ष में मध्यप्रदेश सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन की नौ बोरीयों में गेहूं पाया गया। इसके अलावा आंगनवाड़ी में वितरित होने वाले आटा-बेसन लड्डू प्रिमिक्स और गेहूं सोया बर्फी प्रिमिक्स की दो पैक बंद बोरीयां

भी बरामद हुईं। मौके पर 13 बोरी बाजरा, दो बोरी सरसों तथा सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन की खाली बोरीयां भी मिलीं। सामग्री रखे कमरे को सील कर दिया गया।

उचित मूल्य दुकान भी सील इसके बाद दोपहर 12:30 बजे ग्राम निवारी की उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया गया, जो रामनरेश शर्मा के निजी मकान में संचालित पाई गई। गोदाम में 44 बोरी चावल और 172 बोरी गेहूं मिले। मनोज बघेल ने बताया कि

24 अक्टूबर को 26 बोरी चावल, 75 बोरी गेहूं और छह बोरी नमक उतारी गई थी। दुकान का कमरा भी सील कर दिया गया।

मामले में संबंधित व्यक्तियों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील है कि ऐसी गड़बड़ी की सूचना तत्काल दें; शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

नृत्य से जीवंत हुई महिषासुर मर्दन की गाथा, महाकाल के तेज का किया बखान

ग्वालियर, जीएनएस।

21वें आई टी एम उद्भव उत्सव इंटरनेशनल कल्चरल ओलंपियाड के दूसरे दिन आईटीएम यूनिवर्सिटी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिक आस्था और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिला। विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों के 450 विद्यार्थियों ने क्लासिकल और सेमी क्लासिकल नृत्य की 28 प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान से आए कलाकारों ने भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं की

झलक प्रस्तुत की। कहीं मां दुर्गा और मां काली की महिमा का बखान हुआ तो कहीं महिषासुर मर्दन की गाथा, भगवान शिव के तेज और श्रीकृष्ण की लीलाओं को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया गया। पूरा सभागार तालियों और महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंगोलिया के राजदूत श्री उलजीत लवसेनजात उपस्थित थे अध्यक्षता हिमालयन कल्चर इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष डॉ. एलपी पोटसंग उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आई टी एम यूनिवर्सिटी के डिप्टी रजिस्ट्रार

श्री अनिल माथुर उपस्थित रहे , कार्यक्रम में उद्भव संस्था के अध्यक्ष डॉ केशव पाण्डेय, सचिव श्री दीपक तोमर मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों, आकर्षक वेशभूषा और नृत्य की सजीव अभिव्यक्ति ने भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को मंच पर उतारा। इस अवसर पर सभी परफॉर्मर्स के बाद संस्था के पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों ने टीम के साथ मंच पर टीम लीडर आई टी एम उद्भव उत्सव की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

कल के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नौसेना

अध्यक्ष एडमिरल डी.के त्रिपाठी रहेंगे, अध्यक्षता सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री डॉ नलनी डॉ कमलनी करेंगी। डेली कॉलेज इंदौर के विद्यार्थियों ने नाट्य और नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा और मां काली के विभिन्न स्वरूपों तथा उनकी महिमा का प्रदर्शन किया। वहीं, केडीबी पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद के विद्यार्थियों ने रुद्राक्ष की उत्पत्ति और भगवान शिव की महिमा पर आधारित प्रस्तुति से दर्शकों को आकर्षित किया।

प्रेलुड, आगरा के बच्चों ने 'गोविंद बोलो हरि गोपाल' भजन पर भगवान विष्णु के विभिन्न

अवतारों की गाथा प्रस्तुत की। नृत्यसंगम एमआईटीएस के विद्यार्थियों ने सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग के विभिन्न पहलुओं को मंच पर साकार किया। प्रस्तुति में भगवान राम के माध्यम से सत्य की विजय, राधा-कृष्ण की लीलाएं, श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप और गीता के उपदेश दर्शाए गए। वहीं, कलियुग के चित्रण के माध्यम से बढ़ते स्वार्थ और प्रकृति को हो रहे नुकसान के प्रति चिंता व्यक्त की गई। शिखा शाइन डांस अकादमी के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की कलाकलाओं पर आधारित प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों ने भारतीय

आध्यात्मिक विरासत के साथ अंतरराष्ट्रीय संस्कृतियों की विविधता को भी मंच पर उकेरा।

लोकनृत्यों में दिखी जनजातीय परंपरा और मां भवानी की भक्ति: कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक के विद्यार्थियों ने संबलपुरी लोकनृत्य के माध्यम से जनजातीय जीवनशैली और लोक संस्कृति की झलक दिखाई। वहीं, संस्कृति द गुरुकुल, गुवाहाटी के कलाकारों ने लोकनृत्य के जरिए क्षेत्रीय परंपराओं का चित्रण किया और मां भवानी की भक्ति एवं आराधना को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

नगर निगम का 'स्वच्छ दिवाली 01 रुपये वाली' अभियान 3 नवंबर तक, घरों से सामान जुटाकर किया जाएगा पुनः उपयोग

घर के अनुपयोगी सामान फेंके नहीं, जरूरतमंदों को मिलेगा एक रुपए में

ग्वालियर जीएनएस
दीपावली पर घरों की साफ-सफाई के दौरान निकलने वाले अनुपयोगी सामान को कचरे में जाने से बचाने और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के लिए नगर निगम ग्वालियर ने 'स्वच्छ दिवाली 01 रुपये वाली' अभियान शुरू किया है। 21 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत पुराने सामान को उपयोगी बनाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ जरूरतमंदों की मदद की जाएगी। नगर निगम की टीमें घर-घर जाकर नागरिकों से अनुपयोगी सामग्री एकत्रित करने की अपील कर रही हैं। शहरवासी भी अभियान में भागीदारी कर रहे हैं।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक



चौधरी के निर्देशन में संचालित अभियान के संबंध में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने बताया कि दीपावली की सफाई में निकलने वाली कई वस्तुओं को थोड़ी मरम्मत और उचित रखरखाव के बाद दोबारा उपयोग

में लाया जा सकता है। इन्हें कचरे में फेंकने से अपशिष्ट बढ़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम 'कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्वर्जन' यानी 3आर की अवधारणा को बढ़ावा दे रहा है। घर-घर से जुटाया जाएगा

सामान : अभियान के तहत शहर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विशेष संग्रहण वाहन चलाए जाएंगे। नागरिक अपने नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय में भी पुनः उपयोग योग्य वस्तुएं जमा करा सकते हैं। एकत्रित सामग्री को

फूलबाग स्थित 3आर केंद्र में छंटने और आवश्यक मरम्मत के बाद दोबारा उपयोग के लिए तैयार किया जाएगा।

दीपावली के बाद तैयार वस्तुएं जरूरतमंद नागरिकों को मात्र एक रुपये प्रति वस्तु की दर से उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिक से अधिक परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए एक व्यक्ति को अधिकतम पांच वस्तुएं देने की व्यवस्था की गई है।

इन वस्तुओं का कर सकते हैं दान : नगर निगम ने नागरिकों से पुराने कपड़े, किताबें, कागज, उपयोगी प्लास्टिक सामग्री, गद्दे, जूते और इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित पुनः उपयोग योग्य वस्तुएं कचरे में फेंकने के बजाय अभियान के लिए सुरक्षित रखने

की अपील की है। सामान यथासंभव साफ-सुथरा और सुरक्षित स्थिति में होना चाहिए।

पुनः उपयोग से घटेगा कचरा : नगर निगम के अनुसार, वस्तुओं का पुनः उपयोग करने से कचरे की मात्रा कम होगी और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव घटेगा। साथ ही, एक परिवार के लिए अनुपयोगी वस्तु दूसरे जरूरतमंद परिवार के काम आ सकेगी। नगर निगम ने शहरवासियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा है कि इस दीपावली अनुपयोगी सामान को कचरा बनने से बचाएं और पर्यावरण संरक्षण के साथ जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाएं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ में मनाया शरदोत्सव, 24 कुंडीय महायज्ञ की तैयारियों पर चर्चा

ग्वालियर जीएनएस
गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में रविवार को शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर शरदोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर गोष्ठी आयोजित की गई। यह महायज्ञ 4 से 6 फरवरी तक आरोन, घाटीगांव में प्रस्तावित है।

गोष्ठी में महायज्ञ के उद्देश्यों और आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इसके माध्यम से साधना, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्या एवं स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण, नारी जागरण और व्यसन मुक्ति जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने तथा इन संदेशों को व्यवहार में उतारने पर जोर दिया गया।

आरोन घाटीगांव में 4 से 6 फरवरी तक होगा गायत्री महायज्ञ, साधना, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति का दिया जाएगा संदेश



गोष्ठी में ग्वालियर जिला संयोजक राजवीर सिंह राजपूत, आरोन के अनिल सिंह चौहान, समरी के कोमल सिंह पाठक, पाटई के अजमेर सिंह रावत, दोही के रामबाबू सिंह, बल्लू सिंह तोमर,

महेश गुप्ता, अरविंद सिंह भदौरिया, मोहना के महेश जैन, सरनाम सिंह, निर्मल सिंह, राम अवतार तायल, यशवंत सिंह, जेपी शर्मा तथा मुख्य प्रबंध ट्रस्टी शिववीर चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किलकारी हॉस्पिटल में स्वास्थ्य परीक्षण, फल और उपहार भी बांटे

डॉ. विशाल सिंह के जन्मदिन पर स्वास्थ्य शिविर, 70 लोगों की जांच

ग्वालियर जीएनएस
भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ ग्वालियर की ओर से प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह के जन्मदिन पर नई सड़क, लश्कर स्थित किलकारी हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 55 बच्चों और 15 भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों सहित कुल 70 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क परामर्श दिया गया।

शिविर के आयोजक भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक एवं आरोग्य भारती ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. राहुल सप्रा ने बताया कि शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान बच्चों को फल, पेंसिल, कॉपी और खिलौने भी वितरित किए गए।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी और पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज मुटाटकर उपस्थित रहे। इनके अलावा डॉ. रोहन सप्रा, निशिकांत मोगे, मीडिया प्रभारी डॉ. रजनीश नीखरा, हिमांशु खत्री, वंदना जाधव सहित चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी

मौजूद रहे। डॉ. गोपाल सिंह रजक ने भी शिविर में उपस्थित रहकर सहयोग किया। आयोजकों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं के लिए किलकारी हॉस्पिटल में प्रतिदिन दोपहर 1 से 2 बजे तक निशुल्क चिकित्सा परामर्श और मार्गदर्शन की व्यवस्था भी की गई है।

इंटर-स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में अंडर-17 बालक-बालिका वर्ग के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

गोल्डन बास्केटबॉल क्लब के 50 वर्ष पूरे, आज खेल का आयोजन

शिवपुरी जीएनएस
गोल्डन बास्केटबॉल क्लब के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला बास्केटबॉल संघ शिवपुरी द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को इंटर-स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर स्टेडियम, शिवपुरी में सुबह 8 बजे से आयोजित होगी। इसमें अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। गोल्डन बास्केटबॉल क्लब की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य

विद्यालयीन स्तर पर बास्केटबॉल खेल को बढ़ावा देना, युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करना तथा शिवपुरी में बास्केटबॉल की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाना है।

वरिष्ठ पूर्व खिलाड़ियों का होगा सम्मान : स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर बास्केटबॉल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ पूर्व खिलाड़ियों का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ बास्केटबॉल से जुड़े वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों की सहभागिता आयोजन को विशेष बनाएगी। वरिष्ठ पूर्व खिलाड़ियों में

रजनीश ढींगरा, अभय प्रताप सिंह, हरविंदर भाटिया, संजीव ढींगरा, अनिल सरिन, वीरेंद्र कुमार मैथिल उत्तम व्यास, अनिल सरिन, ऊदल सिंह गुर्जर, महेंद्र बाथम, नरेंद्र शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह, सत्येंद्र राठौर, तरुण तोमर, प्रताप तोमर एवं संजीव पाण्डे महेंद्र बाथम सहित अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने अधिक से संख्या में विद्यालयों के खिलाड़ियों से भाग लेने की अपील की है। जिला खेल अधिकारी डॉ. के.के. खरे का भी उल्लेखनीय योगदान रहेगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म वर्ष 2009 या उसके बाद का होना अनिवार्य है।

राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता, हैदराबाद के लिए खिलाड़ियों का हुआ चयन

शिवपुरी जीएनएस
जिला एथलेटिक्स संघ शिवपुरी के तत्वावधान में रविवार को श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर शिवपुरी में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आयु वर्ग, 14 वर्ष एवं 16 वर्ष के लगभग 170 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया और आगामी राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई, यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता हैदराबाद में नवम्बर माह में आयोजित होगी। आज की इस



प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम बालक एवं बालिकाओं में त्रयथलान ए, बी, एवं सी ग्रुप थे, ग्रुप ए में परी यादव एवं आयुष शर्मा, त्रयथलान बी, में भव्या तिवारी एवं अर्जुन दीक्षित, त्रयथलान सी में आरुद्धा दीक्षित एवं संतराम रावत का चयन हुआ,

अंडर 16 बालक एवं बालिकाओं में 60 मी. दौड़ में मोहित कुशवाह, 600 मी. दौड़ में शिवम् रावत गुननूर सिंह एवं मान्सी यादव, नैन्सी शिवहरे, लांग जंप में नैतिक शर्मा, गोला फेंक में आदित्य दांगी, भाला फेंक में अजय धाकड इत्यादि का चयन किया गया।

गिराज महाराज और हनुमान जी को लगाया भोग, श्रद्धालुओं को वितरित की खीर

शरद पूर्णिमा पर गिराज बाबा सेवा समिति ने किया भव्य आयोजन

ग्वालियर जीएनएस
श्री गिराज बाबा सेवा समिति की ओर से शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बाबा गिराज महाराज एवं श्री हनुमान जी को विधि-विधान से भोग अर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा।

श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त न्यासी महेश मुदगल एवं नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश एरन का श्री गिराज बाबा सेवा समिति की ओर से पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। समिति के सदस्यों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को



शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

समिति के सदस्यों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम

से समाज में श्रद्धा, सेवा, सहयोग और आपसी सद्भाव की भावना मजबूत होती है। ऐसे आयोजन हमारी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक कार्यक्रम लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ ही समाज में सकारात्मकता और सेवा-भाव का संदेश भी देते हैं।

इस अवसर पर ममता कटारे,

समिति अध्यक्ष पंडित राजकुमार शर्मा, पंडित दीपक शर्मा, पंडित राजेंद्र भारद्वाज, रामगोपाल झा, शरद पाराशर, महेश पाराशर, धर्मेन्द्र शर्मा और संदीप पांडे सहित श्री गिराज बाबा सेवा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन में सहभागिता कर धार्मिक उत्सव को सफल बनाया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सेवा-भाव के साथ संपन्न हुआ।

मृगनयनी हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

पारंपरिक कला और स्थानीय उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र, महिला शिल्पकारों को मिल रहा मंच

ग्वालियर जीएनएस
दाल बाजार स्थित डेंगरे परिसर में 25 अक्टूबर को मृगनयनी हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन विधायक सतीश सिकरवार, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक जादौन, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, उद्योगपति वीरेंद्र गंगवाल, चेंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल और गहोई वैश्य समाज ग्रेटर ग्वालियर के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने किया।

प्रदर्शनी में कुशल शिल्पकार और कारीगर अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। डेंगरे परिसर में रंग-बिरंगी कलात्मक वस्तुओं, पारंपरिक परिधानों और लोक शिल्प की आकर्षक छटा देखने को मिल रही है। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य



महिला शिल्पकारों और घरों से संचालित उद्योगों को मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी कला के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें और आर्थिक रूप से सशक्त

हो सकें। प्रदर्शनी की संयोजिका रितिका डेंगरे को ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

आयोजन के माध्यम से कलाकारों और शिल्पियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। साथ ही भारतीय लोक संस्कृति और पारंपरिक कला की समृद्ध विरासत को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश शासन से पुरस्कृत स्वर्णीय बिट्टो बाई की गुड़िया निर्माण कला को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदर्शित किया जा रहा है। वहीं, दतिया के कुशल कारीगरों द्वारा बनाई गई पीतल की वस्तुएं भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

इस अवसर पर सुमन शर्मा, गहोई वैश्य समाज ग्रेटर के महामंत्री सुधीर रावत, अंकित कड्डल, ओमप्रकाश डेंगरे, राकेश डेंगरे, दाल बाजार अध्यक्ष दिलीप पंजवानी और राजू रावत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिकन्दराबाद में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 50 ग्रामीणों का परीक्षण



भोपाल जीएनएस

सूर्योदय जनकल्याण समिति की ओर से भोपाल के रातीबड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिकन्दराबाद में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टर वसंत पटेल और नितिन पटेल ने ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में करीब 50

ग्रामीणों, जिनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल थे, का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारी मनीष चंदानन, पुष्परज सिंह और सतीश पुरोहित ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर के आयोजन में ग्राम पंचायत सिकन्दराबाद के सरपंच राजेश मारण का विशेष सहयोग रहा।

प्राचीन नवग्रह मंदिर में आज मनेगी शरद पूर्णिमा

ग्वालियर जीएनएस

अमरा पहाड़ स्थित प्राचीन नवग्रह मंदिर, गोल पहाड़ियां पर 27 अक्टूबर मंगलवार को शरद पूर्णिमा श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। मंदिर के पुजारी धनीराम महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा पर विशेष धार्मिक आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पर्व के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद खीर का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी

विशेष पूजा-अर्चना के बाद होगा खीर प्रसादी का वितरण

वितरित की जाएगी।

मंदिर के सेवक धनलाल कुशवाहा, बनवारी सिंह, नरेंद्र मंगल, राजू बाथम, किशोर गढ़ाचिया और गोपाल लोधी सहित अन्य सेवकों ने धर्मप्रेमी लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।



युवा मोर्चा ने सामूहिक रूप से सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

ग्वालियर जीएनएस
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 139वें संस्करण का रविवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्वालियर महानगर की ओर से सामूहिक श्रवण किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के आह्वान और युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवम रानू राजावत के आग्रह पर कार्यक्रम का आयोजन मुखर्जी भवन स्थित भाजपा कार्यालय में किया गया।

डांस, गायन और मनोरंजक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मिले उपहार, 25 से अधिक महिलाओं का सम्मान

करवा चौथ महोत्सव में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

ग्वालियर जीएनएस
दीप शक्ति नेचुरल्स और चंबलवुड के संयुक्त सहयोग से आयोजित करवा चौथ महोत्सव एवं सखी मिलन समारोह-2026 हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। होटल डाउन टाउन, सत्कार गेस्ट हाउस के पास आयोजित कार्यक्रम में शहर की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेलों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिलाओं का अवसर मिला। आयोजन में 25 से अधिक

महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

समारोह में फिल्म समीक्षक एवं निर्माता रुद्र रवि शर्मा और सीआरपीएफ ग्वालियर की डीआईजी डॉ. कुमुद दिव्यज्ञान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया।

प्रतियोगिताओं में डांस में मनीषा शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त



किया, जबकि गायन में कविता शर्मा विजेता रहीं। चेयर गेम में शिल्पी मौर्य, बैलून गेम में संगीता धाकड़ और करवा चौथ ड्रेसिंग

प्रतियोगिता में प्रियंका ने प्रथम स्थान हासिल किया। आयोजकों की ओर से विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए।

समारोह की संयोजिका कामिनी पाल और सह-संयोजिका मनीषा श्रीवास्तव ने आयोजन की व्यवस्थाओं और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में महिलाओं ने आपसी मेल-मिलाप के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। सखी मिलन समारोह ने महिलाओं को सामाजिक संवाद, मनोरंजन और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए साझा मंच उपलब्ध कराया।

आयोजन को सफल बनाने में दीप शक्ति नेचुरल्स और चंबलवुड की ओर से विपिन,

दिनेश शर्मा, प्राची श्रीवास्तव, भूमि सहित अन्य सहयोगियों का योगदान रहा। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और आपसी सौहार्द बढ़ाना है।

समारोह के अंत में दीप शक्ति नेचुरल्स के भूपेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रतियोगिताओं और आकर्षक उपहारों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सेवाधाम आश्रम में सेवा और समर्पण की पराकाष्ठा देखने को मिली-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रविवार को उज्जैन प्रवास के दौरान ग्राम अंबोदिया स्थित सेवाधाम आश्रम पहुंचकर आश्रम की सेवा गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आश्रम में निवासरत दिव्यांगजनों, मानसिक रोगियों, अनाथ बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी दिनचर्या एवं आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।
सेवाधाम आश्रम के

संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को आश्रम में निवासरत बच्चों एवं बुजुर्गों सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए संचालित सेवा गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने आश्रम के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखा तथा बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। आश्रम की ओर से संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल का स्मृति चिन्ह एवं दुपट्टा भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र



शुक्ल ने कहा कि सेवाधाम आश्रम में दूसरी बार आने का अवसर मिला है। यहां सेवा और समर्पण की पराकाष्ठा देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1989 में

जिस प्रकल्प के रूप में सेवाधाम की शुरुआत हुई थी, वह आज सेवा, संवेदना और समर्पण के साथ बड़े स्वरूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने कहा कि सेवाधाम

आश्रम में मानसिक रूप से दिव्यांगजनों, अन्य दिव्यांगजनों, अनाथ बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अपनत्व और सहारा मिल रहा है।

जिसका कोई नहीं है, उसका सेवाधाम है। उन्होंने कहा कि संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल का सेवा भाव समाज के लिए आदर्श और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि सेवाधाम केवल आश्रय देने का कार्य नहीं कर रहा, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को परिवार जैसा वातावरण, अपनत्व और सम्मान भी प्रदान किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सेवाधाम आश्रम में कलापण भारत एवं सेवाधाम द्वारा आयोजित संस्कृति, साहित्य महाकुंभ में भी सहभागिता की। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति एवं सेवा से जुड़े विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलापण संस्था के सुश्री श्रद्धा निगम, डॉ. शिवप्रकाश सिंह, डॉ. धनंजय सिंह, श्री दिगंबर नारायण तिवारी, श्री दीनदयाल सोनी, श्री शिव तनय श्रीवास्तव सहित संस्था से जुड़े बच्चे एवं सदस्य मौजूद रहे।

भिण्ड-अवैध कार्बाइड गन निर्माण और भंडारण पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भिण्ड, जीएनएस।
दिवाली और आगामी त्योहारों को देखते हुए जिला कलेक्टर भिण्ड द्वारा प्रतिबंधित पटाखों, आतिशबाजी और लोहे, स्टील या पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ (पोटाश) भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखों (कार्बाइड गन) के क्रय, विक्रय और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। इसी क्रम में भिण्ड पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कार्बाइड गन बनाने और भंडारण करने वाले एक आरोपी को पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर छापामारी पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के निर्देशन और नगर पुलिस

अधीक्षक निरंजन राजपूत के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि माधौगंज हाट के पास एक व्यक्ति अपनी वेल्लिंग की दुकान में पोटाश कार्बाइन गन बेचने की नीयत से उसका निर्माण कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता गुर्जर ने त्वरित कार्रवाई के लिए एक पुलिस टीम का गठन कर बताए गए स्थान पर छापामारी की। जूस की गई सामग्री छापेमारी के दौरान आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से बनाई जा रही सामग्री बरामद की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 40 से 50 हजार रुपये आंकी गई है-

* पोटास कार्बाइड गन- 07 नग
* वेल्लिंग छड़- 05 नग
* वेल्लिंग मशीन- 01 नग
* लोहे का हथौड़ा- 01 नग
मामला दर्ज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिटी कोतवाली भिण्ड में अपराध क्रमांक 547/26, धारा 223(ए) बीएनएस, 9(ख) विस्फोटक अधिनियम और 25(1-ए) आयुध अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया है। सराहनीय भूमिका इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता गुर्जर, सडिन0 दीपक तोमर, प्रआर0 नीरज भदौरिया, आरक्षक रामबरन, बृजमोहन सिंह, संदीप राजावत, राघवेंद्र तोमर और अभिषेक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, घर के सामने दीवार तोड़ने पर लाठी-डंडों से हमला

भिंड, जीएनएस।
जिले के मौ थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम किटेहना में जमीनी विवाद और रास्ते की दीवार गिराने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। आरोपियों ने घर के सामने दीवार तोड़ने का विरोध करने पर फरियादी और उसके परिवार के साथ मारपीट की, गंदी-गंदी गालियां दीं तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में कई नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफ.आई.आर. दर्ज कर ली है।
घटना का विवरण-
फरियादी नारायण सिंह कुशवाह (पुत्र चतूरी कुशवाह,

उम्र 65 वर्ष, निवासी ग्राम किटेहना, मौ, भिंड) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दिनांक 20/10/2026 को सुबह करीब 07-30 बजे आरोपी उनके घर के सामने के रास्ते में दीवार तोड़ रहे थे। जब इसका विरोध किया गया, तो पन्नालाल कुशवाह, रामलखन कुशवाह, गंगाराम कुशवाह, भोगीराम कुशवाह, देशराज कुशवाह, होतम् कुशवाह, रामलखन कुशवाह, पप्पू कुशवाह और अन्य व्यक्तियों ने एक राय होकर हमला कर दिया। आरोपियों ने मां-बहन की गंदी गालियां दीं।
थपड़-मुक्कों तथा डंडों से मारपीट की, जिससे बीच-

बचाव करने आए परिजनों को भी चोटें आईं। जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी कि यदि दोबारा यहां दीवार खड़ी की तो जान से खत्म कर देंगे। पन्नालाल कुशवाह (पुत्र पातीराम कुशवाह रामलखन कुशवाह (पुत्र पन्नालाल कुशवाह गंगाराम कुशवाह (पुत्र पातीराम कुशवाह भोगीराम कुशवाह (पुत्र कल्याण सिंह कुशवाह) देशराज कुशवाह (पुत्र साधु कुशवाह) होतम् कुशवाह (पुत्र कोक सिंह कुशवाह) रामलखन कुशवाह (पुत्र भोगीराम कुशवाह) पप्पू कुशवाह (पुत्र रघूर कुशवाह) इसके अतिरिक्त अन्य अज्ञात आरोपी भी शामिल हैं।

जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी ने धूमधाम से मनाया महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव

शिवपुरी, जीएनएस।
जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी द्वारा आज जिला न्यायालय परिसर में महर्षि वाल्मीकि का जन्मोत्सव धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन, विचारों और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया।
कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री गिरीश गुप्ता, श्री श्याम सुंदर गोयल, श्री भवन कृष्णा दंडोतिया, जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी के

अध्यक्ष श्री विजय तिवारी, सचिव श्री दुर्गेश धाकड़ सहित अनेक अधिवक्तागण ने सहभागिता की। महर्षि वाल्मीकि को भारतीय साहित्य में रामायण के रचयिता और आदिकवि के रूप में सम्मान प्राप्त है। उनका जीवन और साहित्य समाज को सदाचार, ज्ञान, मानवीय मूल्यों तथा आदर्श जीवन की प्रेरणा देता है। जिला न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से अधिवक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के विचारों और उनके आदर्शों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

वरिष्ठ समाजसेवी मुन्ना गौतम कांग्रेस में शामिल रणविजय सिंह लोचव के समक्ष ली सदस्यता

मैहर। मैहर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी श्री मुन्ना गौतम ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। मध्य प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी माननीय रणविजय सिंह लोचव एवं मैहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र घई 'रोमी' की उपस्थिति में मुन्ना गौतम कांग्रेस परिवार में सम्मिलित हुए।
इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं



एवं कार्यकर्ताओं ने मुन्ना गौतम का स्वागत करते हुए पार्टी में शामिल

होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वरिष्ठ समाजसेवी मुन्ना गौतम के कांग्रेस में

शामिल होने को संगठन की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी में नए लोगों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। कांग्रेस परिवार मिलकर जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएगा तथा क्षेत्र की जनता के हक, अधिकार और विकास के लिए निरंतर कार्य करेगा। मैहर विधानसभा क्षेत्र में लगातार बढ़ते कांग्रेस के कुनबे से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

दबोह के पूर्व थाना प्रभारियों की कार्यप्रणाली आज भी जनता के जेहन में

केडी सोनकिया से लेकर राजेश शर्मा तक, कई अधिकारियों ने अपनी कार्यशैली से छोड़ी अलग पहचान..
दबोह, जीएनएस।
पुलिस की वर्दी केवल कानून का पालन कराने तक सीमित नहीं होती, बल्कि आमजन के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दबोह थाने में पदस्थ रहे कई पूर्व थाना प्रभारियों की

कार्यप्रणाली आज भी स्थानीय नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अपने कार्यकाल के दौरान अलग कार्यशैली और जनता से जुड़ाव के कारण इन अधिकारियों ने ऐसी पहचान बनाई जिसे क्षेत्र के लोग आज भी याद करते हैं।
दबोह थाने में पूर्व में पदस्थ रहे थाना प्रभारी केडी सोनकिया, हेमंत शर्मा, दिलीप यादव, विश्वजीत परिहार, जीडी शर्मा, शिव सिंह यादव, विजय तोमर एवं

राजकुमार शर्मा अभी हाल ही में दबोह से गए राजेश शर्मा जैसे अधिकारियों के नाम आज भी स्थानीय स्तर पर सम्मान के साथ लिए जाते हैं।
कुर्सी छोड़ने के बाद भी कायम है पहचान..
किसी भी पुलिस अधिकारी की वास्तविक पहचान उसके पद पर रहने तक ही सीमित नहीं होती, बल्कि स्थानांतरण के बाद भी जनता उसे किस रूप में याद करती है, यह उसकी कार्यप्रणाली का

महत्वपूर्ण पैमाना माना जाता है। दबोह में पूर्व में पदस्थ रहे इन थाना प्रभारियों ने अपनी कार्यशैली से आमजन के बीच अलग छाप छोड़ी। उपरोक्त थाना प्रभारियों में से कई प्रभारी सर्विस से कार्यमुक्त भी हो चुके होंगे तो कई प्रभारी प्रमोशन लेकर अधिकारी बनकर अन्य जगह सेवाएं दे रहे होंगे पर दबोह की जनता उन्हें आज भी समय समय पर याद करती रहती है।
स्थानीय स्तर पर इन अधिकारियों के कार्यकाल को याद

किया जाना इस बात का संकेत है कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संबंध कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
आम नागरिक की अपेक्षा रहती है कि थाने पहुंचने पर उसकी समस्या को गंभीरता से सुना जाए, फरियादी को सम्मान मिले और अपराधियों में कानून का भय बना रहे। पुलिस की सक्रियता के साथ उसका मानवीय व्यवहार भी जनता के विश्वास को मजबूत

करता है। दबोह थाने के पूर्व प्रभारियों की कार्यप्रणाली को लेकर आज भी होने वाली चर्चाएं इसी विश्वास और जुड़ाव को दर्शाती हैं।
शासकीय सेवा में पदस्थापना और स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है। समय के साथ दबोह थाने में अनेक अधिकारी आए और अपने दायित्वों का निर्वहन कर आगे बढ़ गए, लेकिन कुछ अधिकारियों की कार्यशैली ने स्थानीय लोगों के मन में स्थायी स्थान बनाया।

ग्वालियर में 30 नवंबर से गूंजेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतधारा

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'जन उत्थान न्यास' द्वारा ग्वालियर में आगामी नवंबर माह में भव्य एवं दिव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल धार्मिक अनुष्ठान में विख्यात कथावाचक श्रद्धेय अनिरुद्धाचार्य महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। यह कथा 30 नवंबर से 7 दिसंबर तक ऐतिहासिक फूलबाग मैदान पर आयोजित होगी। श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन की

रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं को लेकर जन उत्थान न्यास द्वारा गठित मुख्य आयोजन समिति की एक बृहद बैठक जीवाजी क्लब में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से कथा के सूत्रधार एवं जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष और विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, महेश मुदगल, सुरेश कस्तवार 'दादा', डॉ. राम पाण्डे, संयुक्त सचिव अवधेश कौरव, अचलेश्वर न्यास पूर्व अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल, समाजसेवी राजीव चट्टा, सतेन्द्र सिंह भदौरिया 'गुरुजी', सुरेश नीखरा, डॉ.



राकेश अग्रवाल, बबीता डाबर, बेताल सिंह, पुरुषोत्तम भार्गव, अहिवरन सिंह, आदि मौजूद रहे। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने

प्रबंधन, सुरक्षा तथा शहरभर से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजन समिति के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन अत्यंत गरिमामय और ऐतिहासिक रूप से संपन्न कराया जाएगा, जिससे पूरे अंचल में धर्म और भक्ति की रसधारा प्रवाहित होगी।

बैठक में आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा कथा में व्यवस्था हेतु 19 समितियों का गठन कर सदस्यों

को दायित्व सौंपे गये। आयोजन समिति द्वारा मंच व्यवस्था समिति, पाण्डाल समिति, प्रचार प्रसार समिति, पार्किंग समिति, विद्युत समिति, प्रसाद वितरण समिति, स्वच्छता समिति, परिवहन/यातायात समिति, पूजन समिति, पेयजल समिति, भोजन व्यवस्था समिति, आवास व्यवस्था समिति, स्वागत समिति, मीडिया समिति, कलश यात्रा समिति, प्रशासनिक समिति, कोष समिति, कथा कार्यालय समिति एवं पादुका समिति का गठन किया गया।

डब्ल्यूजेआई की एआई मीडिया कार्यशाला में 16 से अधिक राज्यों के पत्रकारों की भागीदारी

नई दिल्ली, जीएनएस।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया (डब्ल्यूजेआई) की ओर से पत्रकारों के लिए निःशुल्क एआई मीडिया तकनीकी द्वितीय कार्यशाला आयोजित की गई। गूगल मीट के माध्यम से हुई इस कार्यशाला में 16 से अधिक राज्यों के मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। एआई एवं मीडिया तकनीकी विशेषज्ञ तीर्थकर सरकार और अविनाश सिंह ने पत्रकारों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के व्यावहारिक इस्तेमाल की जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने लाइव डेमो के

जरिए समाचार अनुसंधान, लेखन, संपादन, हेडलाइन निर्माण, अनुवाद, वीडियो ट्रांसक्रिप्शन, सबटाइटल, सोशल मीडिया सामग्री और पोस्टर-बैनर तैयार करने में एआई टूल्स की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि एआई के प्रभावी इस्तेमाल से पत्रकारिता के कामकाज में तेजी और सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। हालांकि, समाचारों की तथ्यात्मक पुष्टि करना पत्रकारों की जिम्मेदारी है। पंजीकृत प्रतिभागियों को निःशुल्क एआई टूल्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई

जाएगी।

पत्रकारों के लिए जारी रहेगी एआई कार्यशालाओं की श्रृंखला: डब्ल्यूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय उपाध्याय ने कहा कि पत्रकारों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए ऐसी कार्यशालाएं आगे भी आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी ने बताया कि प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सक्सेना ने किया। इसका प्रसारण यूनिनयन के फेसबुक, आधिकारिक वेबसाइट

और यूट्यूब चैनल पर भी हुआ।

कार्यशाला में ऑनलाइन शामिल पत्रकार, विकास सुखिया, नरसिम्हा राव सृगादा, निखिल वर्मा, पी. कुमार, रानाप्रताप, मेगराज लुथरा, विशाल चौरसिया, वीरेंद्र सिंह, धर्मेन्द्र, भदौरिया, स्वतंत्र सिंह भुल्लर, गणेश, इश मलिक, सुषमा रानी, विजय वर्मा, आनंद कुमार मिश्रा, भोलानाथ, परवीन बागी, विवेक वैष्णव और एन.एस. राव सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पंजाब दी लहर और डीआर्च न्यूज का प्रतिनिधित्व भी रहा।

नुकड़ नाटक के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश, नागरिकों को किया जागरूक

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डीबी मॉल में स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत सेंट टेरेसा स्कूल के विद्यार्थियों ने नुकड़ नाटक के माध्यम से आमजन को स्वच्छता का महत्व समझाया तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाए रखने का संदेश दिया।

नुकड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ

बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों की प्रभावी प्रस्तुति ने स्वच्छता के प्रति नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी निभाने और स्वच्छता को अपनी दैनिक आदतों में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। नगर निगम ग्वालियर द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने तथा स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दीक्षा वेलफेयर फाउंडेशन की दृष्टि टीम के सहयोग से आयोजित इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने जनजागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

रमौआ डेम पर नगर निगम का स्वच्छता अभियान, श्रमदान कर जलाशय के आसपास की गंदगी हटाई

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने के उद्देश्य से निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में रमौआ डेम पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने श्रमदान कर जलाशय के आसपास फैले कचरे, प्लास्टिक, कपड़ों तथा अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर सफाई की।

अभियान का मुख्य उद्देश्य जलाशय के आसपास स्वच्छता

बनाए रखने के साथ ही नागरिकों को जल स्रोतों के संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए जागरूक करना रहा। स्वच्छता अभियान में एसबीएम कंसल्टेंट श्री अमित सिंह, श्री देवेन्द्र निम, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी तथा नगर निगम की आईईसी टीम सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। सभी ने मिलकर श्रमदान किया और जलाशय के आसपास जमा अपशिष्ट सामग्री को हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे धार्मिक

आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखें। पूजन सामग्री, प्लास्टिक, कपड़े एवं अन्य कचरा जलाशयों में अथवा उनके आसपास न फेंकें तथा अपशिष्ट सामग्री का उचित स्थान पर निस्तारण करें।

नगर निगम ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सहभागी बनकर शहर के जल स्रोतों को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया है। जल स्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पूजन सामग्री के उचित

निस्तारण के प्रति किया जागरूक: रमौआ डेम पर नागरिक धार्मिक आस्था के चलते भगवान की प्रतिमाओं एवं पूजन सामग्री के विसर्जन के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान कई बार प्लास्टिक, कपड़े और अन्य अपशिष्ट सामग्री जलाशय के आसपास जमा हो जाती है, जिससे वहां गंदगी फैलती है तथा पर्यावरण और जल स्रोतों की स्वच्छता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा श्रमदान के माध्यम से सफाई कर जलाशय के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की पहल की गई।

मानपुर फेस-1 मल्टी पर 38 लाख रुपये का जलकर बकाया, वसूली के लिए नगर निगम ने कराया मुनादी

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा जलकर की बकाया राशि की वसूली के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। बड़े बकायादारों से राशि जमा कराने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शिबिर आयोजित करने के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क किया जा रहा है। इसी क्रम में मानपुर क्षेत्र में जलकर वसूली के लिए मुनादी कराकर बकायादारों को समय पर राशि जमा करने के लिए सूचित किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री

अभिषेक चौधरी के निर्देशन में चलाए जा रहे जलकर वसूली अभियान के संबंध में कार्यपालन यंत्री श्री राम सेवक शाक्य ने बताया कि वार्ड क्रमांक 5 स्थित मानपुर फेस-1 मल्टी पर जलकर की लगभग 38 लाख रुपये की राशि बकाया है। बकाया राशि जमा कराने के लिए संबंधित उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है तथा 27 अक्टूबर 2026 तक जलकर जमा करने की अपील की गई है।

विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान पर रहा विशेष जोर

ग्वालियर, जीएनएस।

विज्ञान भारती, ग्वालियर द्वारा आयोजित ग्वालियर विज्ञान महोत्सव 2026 का तृतीय संस्करण 23 एवं 24 अक्टूबर को अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (ABV-IIITM), ग्वालियर के सुंदर परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करना तथा ग्वालियर की स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान खोजने के लिए



एक प्रभावी मंच प्रदान करना था। महोत्सव के प्रथम दिवस, 23 अक्टूबर को विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें लगभग *870 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया तथा 95 शिक्षक उपस्थित रहे।* वहीं, दूसरे दिन, 24 अक्टूबर को महाविद्यालय के

विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग *350 विद्यार्थियों ने सहभागिता की तथा 200 टीमों ने प्रतियोगिताओं के लिए पंजीयन कराया। महोत्सव के अंतर्गत नवोन्मेष (आइडिया एवं मॉडल प्रतियोगिता), अभिमत (वाद-विवाद प्रतियोगिता), मंथन (शिक्षक संगोष्ठी), प्रेरणा तथा

युक्ति (रील प्रतियोगिता) प्रमुख आकर्षण रहे। दोनों दिनों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचारी विचारों, तार्किक क्षमता एवं तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दोनों दिनों में कुल 24 निर्णायकगण ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विचारों, मॉडलों एवं प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए प्रतियोगिताओं को सफल बनाने में योगदान दिया।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर ☎ 0751-2625029 ☎ 9074257600	शिवपुरी ☎ 07492-232149 ☎ 8251071286
--	---

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

थाना झांसीरोड पुलिस की चोर के खिलाफ कार्यवाही

रात्रि में सोते हुए बस कंडक्टर की जेब से रुपये चोरी करने वाले चोर को थाना झांसीरोड पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी कल्याण रावत निवासी देवरी कला थाना बेलगढा जिला ग्वालियर ने थाना झांसीरोड में रिपोर्ट लेख कराई कि वह शीतला बस ट्रेवल्स पर ग्वालियर से नरवर जाने वाली बस पर कन्वेक्टरी का कार्य करता है। आज दिनांक 25.10.2026 को मैं रात में बस स्टैंड नाका चंद्रवदनी झांसीरोड पर बस में सो रहा था तथा मेरी जेब मे

बुकिंग के करीबन 11000 रुपये रखे हुए थे, जिन्हे किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिये हैं। उक्त रिपोर्ट पर से थाना झांसीरोड में अप0क्र0 352/26 धारा 305(सी), 331(4) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।
उक्त मामला संज्ञान में आने पर प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर(रापुसे) द्वारा थाना प्रभारी

झांसीरोड को पुलिस की टीम बनाकर उक्त प्रकरण में वांछित आरोपी की पतासी कर पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। अति. पुलिस अधीक्षक ग्वालियर शहर(पूर्व) डॉ. श्री शिवेश सिंह बघेल एवं सीएसपी विश्वविद्यालय श्री शैलेन्द्र शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी झांसीरोड निरी0 सुरभि शर्मा के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में वांछित आरोपी को पकड़ने हेतु लगाया गया। दौरान विवेचना पुलिस

टीम को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की उक्त प्रकरण का संदेही रामलखन धानुक बाहर जाने की फिराक मे नाका चन्द्रवदनी बस स्टैंड के अन्दर बैठा हुआ है। उक्त सूचना पर से पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो नाका चन्द्रवदनी बस स्टैंड के अन्दर मुखबिर के बताये हुलिये का एक व्यक्ति बैठा मिला, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम

रामलखन धानुक पुत्र भुल्लों उम्र 20 साल निवासी ग्राम छिरैठा थाना भितरवार जिला ग्वालियर का होना बताया।
पकड़े गये संदेही से उक्त प्रकरण के संबंध में गहनता से पूछताछ करने पर उसके द्वारा उक्त अपराध कारित करना स्वीकार किया। आरोपी से चुराये हुए रुपये के संबंध में पूछताछ की गई तो उसने चोरी किए रूपयों में से 1000 रुपये खर्च होना बताया

तथा उसकी निशादेही पर शेष 10000 रुपये नगद विधिवत जप्त किए गये। पुलिस द्वारा आरोपी को थाना झांसीरोड के अपराध सदर में विधिवत गिरफ्तार किया गया।
सराहनीय भूमिका:- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी झांसीरोड निरीक्षक सुरभि शर्मा, प्र.आर0 प्रताप सिंह, प्र.आर0 रामप्रीत, आर. राममूर्ती, आर. पवन, आर. हरिओम जाट की सराहनीय भूमिका रही।

सूखा पीपल का पेड़ हादसे को दे रहा दावत, ग्रामीणों ने कटवाने की मांग की

पडरौना, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद पडरौना क्षेत्र के श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर के वार्ड संख्या 08 स्थित नोनिया पट्टी में एक सूखा पीपल का पेड़ हादसे को दावत दे रहा है। पेड़ पूरी तरह सूख चुका है और उसकी कई सूखी टहनियां टूटकर आसपास के घरों और रास्ते में गिर रही हैं। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों में जान-माल के नुकसान की आशंका बनी हुई है।



टूटकर घरों की ओर गिर रही हैं, जिससे परिवार के सदस्यों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। वहीं मीरगंज निवासी बुजुर्ग बलाकत खान ने बताया कि यह रास्ता गांव और मोहल्ले को जोड़ता है तथा नोनिया पट्टी से कटनवार की ओर जाने वाले लोगों के लिए भी प्रमुख मार्ग है। इसी रास्ते से लोग नमाज पढ़ने के लिए

भी आते-जाते हैं। रास्ते के बीच स्थित सूखा पीपल का पेड़ कभी भी गिर सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त पेड़ तीन कोने वाले रास्ते के पास स्थित है। यहां से दिनभर राहगीरों के साथ बच्चे भी गुजरते हैं और आसपास कई घर भी हैं। ऐसे में यदि तेज हवा या किसी अन्य कारण से पेड़ गिरता है तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द मौके का निरीक्षण कर सूखे पेड़ को हटवाने की मांग की है, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले ही खतरे को टाला जा सके।

मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत होगी प्रतियोगिता

सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन के लिए पशुपालको को मिलेंगे पुरस्कार

श्यामपुर, जीएनएस।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत गौ-पालको के लिए गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सबसे अधिक दूध देने वाली गाय के पालक को एक लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिले के वृंदावन ग्राम नागदा और श्यामपुर में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे ने बताया कि मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत जिले में दो गांव नागदा और श्यामपुर चयनित है, इन

ग्रामों में शासन की योजना के तहत गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गो-पालको को प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। यह प्रतियोगिता उक्त दोनों ग्रामों के लिए अलग-अलग होगी।

उप संचालक पशुपालन डॉ दौहरे ने बताया कि श्यामपुर में प्रतियोगिता का आयोजन 27 एवं 28 अक्टूबर को तथा नागदा में प्रतियोगिता का आयोजन 30 एवं 31 अक्टूबर को किया जायेगा। इसके लिए पशुपालक अपने आवेदन 26 अक्टूबर तक जमा

कर सकते हैं। ग्राम नागदा के लिए डॉ सचिन उपाध्याय मोबाइल नंबर 9993508879 तथा श्यामपुर के लिए डॉ गहलोत मोबाइल नंबर 9752869694 के पास जमा करा सकते हैं तथा अधिक जानकारी के लिए उक्त दूरभाष क्रमांक पर संपर्क कर सकते हैं।

इस प्रतियोगिता में देशी गाय के गौपालक ही भाग ले सकेंगे तथा सुबह-शाम का मिलाकर 6 लीटर से अधिक दूध देने वाली गाय ही इसमें शामिल होंगी। प्रतियोगिता में संबंधित वृंदावन ग्राम के गौपालक ही भाग ले सकेंगे। विजेता गौपालको को गोवर्धन पूजन के दिन राज्य स्तर से डीबीटी के माध्यम से पुरस्कार राशि अंतरित की जायेगी।

पराली जलाने पर 4 किसानों के विरुद्ध 17,500 रुपये का अर्थदंड

श्यामपुर, जीएनएस।
जिले में फसल अवशेष एवं धान की पराली जलाने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले किसानों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई है। एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा द्वारा जारी आदेशों के माध्यम से 4 किसानों पर 17 हजार 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुश्री शीला दाहिमा द्वारा जिले में पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है तथा किसानों को शिविर लगाकर तथा अन्य माध्यमों से पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

राजस्व एवं कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार तहसील श्यामपुर के ग्राम छोटाखेड़ा में श्री जाकिर पुत्र श्री शेर अली खान द्वारा सर्वे क्रमांक 225/1 की 1.56 हेक्टेयर भूमि पर तथा ग्राम माधोराजपुरा में श्री गुरुवचन सिंह पुत्र श्री गुरुमुख सिंह द्वारा सर्वे क्रमांक 58/1 की 0.20 हेक्टेयर भूमि पर पराली जलाने का मामला सामने आने पर क्रमशः 5,000 एवं 2,500 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसी प्रकार, तहसील बड़ौदा के ग्राम अलापुरा में श्री धनराज

पुत्र श्री मुरारी द्वारा सर्वे क्रमांक 271 की 1.327 हेक्टेयर भूमि पर तथा ग्राम पांडोली में श्री देवीशंकर पुत्र श्री सियाराम द्वारा सर्वे क्रमांक 38/1/1/2 की 1.045 हेक्टेयर भूमि पर पराली जलाने के मामले में प्रत्येक पर 5-5 हजार का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

इस प्रकार चारों प्रकरणों में कुल 17,500 का अर्थदंड करने की कार्यवाही की गई है, संबंधित तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि अधिरोपित अर्थदंड की राशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार डी.पी.जी. में संधारित कर वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई से संबंधित न्यायालय को अवगत कराएं।

एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा ने स्पष्ट किया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसानों से अपील की गई है कि वे फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें तथा पराली जलाने से बचें। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

बगैर नंबर प्लेट एवं दस्तावेजों के पाई गई जेसीबी जब्त

श्यामपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिला परिवहन अधिकारी श्री जगदीश सिंह भील द्वारा वाहन चेकिंग अभियान अंतर्गत बगैर नंबर प्लेट तथा दस्तावेजों के पाई गई जेसीबी को जब्त कर ढोढर थाने की सुपुर्दगी में दिया गया है। इसके साथ ही 9 यात्री बसों के दस्तावेजों का परीक्षण भी किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी श्री जगदीश सिंह भील ने बताया कि चेकिंग के दौरान नहर रोड पर

सेमल्दा के पास बगैर नंबर प्लेट की जेसीबी पाये जाने पर दस्तावेजों की चेकिंग की गई, लेकिन वाहन चालक धर्मेन्द्र द्वारा जेसीबी से संबंधित रजिस्ट्रेशन आदि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये, इस पर उक्त वाहन को जब्त कर ढोढर थाने में रखवाया गया है। दस्तावेजों की जांच के उपरान्त कमियां पाये जाने पर जुर्माने आदि की कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार जिले में संचालित 9 यात्री बसों की चेकिंग करते हुए दस्तावेजों का परीक्षण किया गया।



स्ट्रॉ रीपर से पराली प्रबंधन का प्रदर्शन

श्यामपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में पराली प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार की पहल की जा रही है। इसी क्रम में स्ट्रॉ रीपर (भूसा मशीन) के माध्यम से ग्राम मऊ में पराली प्रबंधन का प्रदर्शन किया गया।

सहायक कृषि यंत्री श्री नवीन कुमार ने बताया कि पराली प्रबंधन हेतु किसानों को पराली न जलाने के प्रति जागरूक करने एवं फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के उद्देश्य से कृषक श्री गुरप्रीत सिंह ग्राम मऊ के खेत में स्ट्रॉ रीपर का प्रदर्शन कर पराली से भूसा तैयार किया गया।



जिससे फसल अवशेषों का उपयोग पशु चारे के रूप में किया जा सकता है। किसानों को पराली जलाने से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में

जानकारी देते हुए आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से सहायक कृषि यंत्री श्री नवीन कुमार द्वारा पराली प्रबंधन अपनाने हेतु अपील की गई है।

गौशालाओं के क्रियान्वयन हेतु समन्वय समिति की बैठक 29 को

श्यामपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में गौशाला परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक 29 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उपसंचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे ने बताया कि उक्त बैठक में मनरेगा द्वारा निर्मित गौशालाओं के पंजीयन, गौशालाओं के अपूर्ण निर्माण कार्यों को पूर्ण किये जाने, गौशालाओं में पानी एवं बिजली की उपलब्धता आदि बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए।

एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) वेटेरन्स काउंसिल, दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, जीएनएस।

एयर वाइस मार्शल आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) को वेटेरन्स काउंसिल, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 24 अक्टूबर 2026 को वेटेरन्स काउंसिल के चेयरमैन

राजीव अग्निहोत्री द्वारा की गई। उनका प्रारंभिक कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

वेटेरन्स काउंसिल का गठन ज्यूडिशियल काउंसिल

के एक प्रस्ताव के अनुसरण में किया गया था। इसका उद्देश्य सैन्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण, गरिमा, अधिकारों तथा वैध हितों को बढ़ावा देना है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय राजधानी में परिषद की संगठनात्मक उपस्थिति को सुदृढ़ करने और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं-भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक साझा एवं एकीकृत मंच स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिकों के लिए एक एकीकृत मंच

वेटेरन्स काउंसिल भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सैन्य कार्मिकों का योगदान और उनके बलिदान, चाहे वे किसी भी सेवा, रैंक, ट्रेड या पृष्ठभूमि से संबंधित हों, समान

सम्मान, मान्यता और विचार के पात्र हैं।

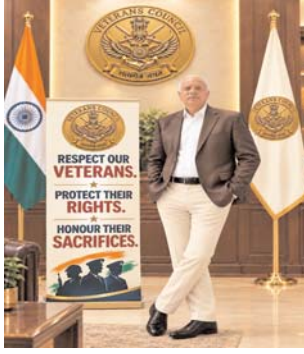
परिषद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक सेवा से जुड़े पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर उचित ध्यान दिया जाए तथा उनके वैध अधिकारों और देय लाभों की प्राप्ति के लिए कानूनसम्मत एवं रचनात्मक माध्यमों से प्रयास किए जाएं। इसका मिशन सेवानिवृत्त अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों, अन्य रैंकों के सैन्यकर्मियों, नौसैनिकों, वायुसैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण को समाहित करता है।

सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व सैनिकों को अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इनमें पेंशन संबंधी शिकायतें, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, पुनर्वास, रोजगार, दिव्यांगता संबंधी सहायता, पारिवारिक कल्याण तथा प्रशासनिक मामलों के निपटारे में होने वाला विलंब प्रमुख हैं।

वेटेरन्स काउंसिल का उद्देश्य इन समस्याओं के समाधान में सहायता के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना तथा संबंधित अधिकारियों के साथ रचनात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना है।

तीन वर्ष का कार्यकाल एवं दायित्व

एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) को प्रारंभिक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया जाना परिषद की नेतृत्व में निरंतरता बनाए



रखने तथा दिल्ली एनसीटी में कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष के रूप में उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे राष्ट्रीय राजधानी में परिषद की गतिविधियों का नेतृत्व करें, तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करें, पूर्व सैनिक संगठनों के बीच समन्वय मजबूत करें तथा उनकी समस्याओं और शिकायतों को संबंधित सक्षम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करने में सहायता करें।

थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों के कल्याण, गरिमा एवं वैधानिक अधिकारों को बढ़ावा देना।

पेंशन संबंधी शिकायतों के समाधान तथा वैध देय लाभों की प्राप्ति के प्रयासों में सहायता करना।

दिव्यांग पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपयुक्त सहायता तक पहुँच को प्रोत्साहित करना।

सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्वास, पुनर्स्थापन तथा रोजगार के अवसरों

को बढ़ावा देना।

पूर्व सैनिकों की विधवाओं, आश्रितों एवं परिवारों के कल्याण में सहयोग करना।

सरकार की लागू कल्याणकारी योजनाओं एवं देय लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

पूर्व सैनिक संगठनों तथा भूतपूर्व सैनिक संघों के बीच समन्वय मजबूत करना।

शिकायतों के निवारण के लिए पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी व्यवस्था को प्रोत्साहित करना।

इन उद्देश्यों को लागू कानूनों, नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप उचित माध्यमों से आगे बढ़ाया जाएगा।

दिल्ली एनसीटी में पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाना

राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण दिल्ली रक्षा कार्मिकों तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित सरकारी संस्थानों और अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है।

वेटेरन्स काउंसिल का उद्देश्य दिल्ली एनसीटी में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना तथा थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर व्यवस्थित एवं प्रभावी संवाद को प्रोत्साहित करना है।

काउंसिल

का मानना है कि तीनों सेनाओं के बीच एकता प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। सेवा की पृष्ठभूमि, रैंक या व्यावसायिक अनुभव में अंतर सहयोग की राह में

बाधा नहीं बनना चाहिए, विशेषकर तब जब साझा उद्देश्य राष्ट्र की सेवा कर चुके लोगों के कल्याण और गरिमा की रक्षा करना हो।

नए नेतृत्व के अंतर्गत परिषद विभिन्न रैंकों और तीनों सेनाओं से जुड़े पूर्व सैनिकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने, रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देने तथा लंबित शिकायतों को संबंधित सक्षम अधिकारियों के संज्ञान में लाने के प्रयास करेगी।

न्याय, गरिमा और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता

वेटेरन्स काउंसिल का मानना है कि पूर्व सैनिकों का कल्याण राष्ट्र की कृतज्ञता और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। वर्दी में सेवा देने वाले सैनिकों ने भारत की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अनेक अवसरों पर कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है।

वेटेरन्स काउंसिल कानूनसम्मत प्रतिनिधित्व, संस्थागत जवाबदेही, रचनात्मक संवाद तथा पूर्व सैनिकों के वैध अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। परिषद की कार्यप्रणाली समस्याओं की पहचान करने, उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने तथा व्यावहारिक समाधान प्राप्त करने के प्रयासों पर केंद्रित रहेगी।

प्रारंभिक तीन वर्ष का कार्यकाल संगठन के सतत विकास, पूर्व सैनिकों के साथ बेहतर संवाद

तथा दिल्ली एनसीटी में कल्याणकारी पहलों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

वेटेरन्स काउंसिल पूर्व सैनिकों, भूतपूर्व सैनिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, संस्थानों तथा जागरूक नागरिकों से सैन्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण को बेहतर बनाने वाली पहलों में सहयोग करने का आह्वान करती है।

वेटेरन्स काउंसिल दोहराती है कि पूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान केवल औपचारिक समारोहों और सम्मान-प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह सम्मान वास्तविक सहायता, वैध शिकायतों पर निष्पक्ष विचार, कल्याणकारी सुविधाओं तक पहुँच तथा कानूनी अधिकारों और देय लाभों की सुरक्षा के रूप में भी दिखाई देना चाहिए।

एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) की दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष के रूप में प्रारंभिक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्ति के साथ वेटेरन्स काउंसिल भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के सभी पूर्व सैनिकों की बिना किसी भेदभाव के सेवा करने तथा सभी के लिए एकता, गरिमा, न्याय और कल्याण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है। अपने पूर्व सैनिकों का सम्मान करें। उनके अधिकारों की रक्षा करें। उनके बलिदानों का सम्मान करें।

साडा क्षेत्र में प्रस्तावित टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन का भूमिपूजन 29 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को करना था, लेकिन कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया गया है। अब दिवाली के बाद नई तारीख तय होने की संभावना है। प्रस्तावित परियोजना 170 एकड़ में विकसित होगी, जिसमें शुरुआती तौर पर करीब 2,000 करोड़ के निवेश और 4,500 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों की घोषणा की गई है।

विधायक डॉ. सिकरवार ने बाबा साहब अम्बेडकर मांगलिक भवन और 7 लाख लीटर की पानी की टंकी निर्माण कार्य के लिए किया भूमिपूजन

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र को विकसित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में रविवार को दो बड़े विकास कार्यों की शुरुआत हुई। क्षेत्रीय विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए वार्ड क्रमांक 22 में 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डॉ. अम्बेडकर मांगलिक भवन सह पार्क

और वार्ड क्रमांक 57 में 7 लाख लीटर क्षमता की विशाल पानी की टंकी के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

पहला भूमिपूजन कार्यक्रम हरीपुरम कॉलोनी, न्यू सुरेश नगर (थाटीपुर) स्थित शासकीय भूमि पर आयोजित हुआ। यहाँ 50 लाख रुपये की निधि से डॉ. आंबेडकर मांगलिक भवन सह पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार एवं वार्ड 22 के पार्षद प्रमोद खरे ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन की औपचारिकताएं पूरी कीं। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा प्रत्येक नागरिक का जीवन सुगम और सम्मानजनक बनाना मेरा संकल्प है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर बनने वाला यह मांगलिक भवन

सर्वसमाज के सामाजिक, पारिवारिक और मांगलिक आयोजनों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त केंद्र बनेगा। इसके साथ ही विकसित होने वाला पार्क क्षेत्र के बुजुर्गों के टहलने और बच्चों के खेलने के लिए एक सुंदर व स्वच्छ वातावरण प्रदान करेगा।

विकास कार्यों की इसी कड़ी में दूसरा भूमिपूजन वार्ड क्रमांक 57 स्थित महाराणा प्रताप नगर में संपन्न

हुआ। यहाँ विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं एम.आई.सी सदस्य एवं पार्षद अवधेश कौरव ने 7 लाख लीटर क्षमता की विशाल पानी की टंकी के निर्माण कार्य की नींव रखी। इस टंकी के निर्माण से रानीपुरा, बीजासेन मोहल्ला, ओफो की बगिया तथा आसपास की घनी बस्तियों में वर्षों से चली आ रही कम दबाव और पानी की किल्लत की समस्या से स्थायी मुक्ति मिलेगी।

चाँद फिर निकला है, खीर देख मन पिघला हैं!

(संजय एम तराणेकर)

शरद पूर्णिमा की रात है। चाँद अपनी सोलह कलाओं के साथ आसमान में विराजमान है। धरती पर अमृत बरसने की मान्यता है और बाजार में धार्मिकता का पारा चढ़ा हुआ है। कहीं खीर चाँदनी में रखी जा रही है, तो कहीं भजन-कीर्तन के नाम पर लाउडस्पीकर चाँद से भी ऊँची आवाज में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। ऐसा लगता है कि चाँद को भी अपनी रोशनी फैलाने से पहले आयोजन समिति से अनुमति लेनी पड़ेगी!

भारतीय संस्कृति में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत

बरसता है। अब विज्ञान इस अमृत की प्रयोगशाला में तलाश कर रहा है और श्रद्धालु उसे खीर के कटोरे में खोज रहे हैं। दोनों की अपनी-अपनी रिसर्च है। फर्क बस इतना है कि वैज्ञानिक प्रमाण माँगते हैं और श्रद्धालु प्रसाद!

शरद पूर्णिमा आते ही धार्मिक आयोजनों की बहार आ जाती है। मंदिरों में सजावट, भजन मंडलियों की तैयारी, प्रसाद की व्यवस्था और सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की बाँछर शुरु हो जाती है। कुछ लोग चाँद को निहारने से अधिक मोबाइल के कैमरे को निहारते हैं। चंद्रमा आसमान में चमक रहा होता है और भक्तों की नजर इस बात पर होती है कि फोटो में चाँद के साथ उनका चेहरा

कितना चमक रहा है।

आजकल भक्ति भी डिजिटल हो गई है। पहले लोग भगवान के सामने हाथ जोड़ते थे, अब हाथ में मोबाइल जोड़ लेते हैं। पूजा पूरी हो या न हो, स्टेटस समय पर लगाना चाहिए। चाँदनी में रखी खीर से पहले उसकी तस्वीर इंटरनेट पर पहुँच जाती है। कैप्शन भी ऐसा कि मानो अमृत की पूरी खेप उन्हीं के घर उतरी हो। उधर, धर्म के ठेकेदारों की अपनी चाँदनी है। त्योहार आते ही चंदा माँगने की परंपरा जाग उठती है। कोई पचीं लेकर दरवाजे पर खड़ा है, तो कोई फोन करके याद दिला रहा है कि इस बार आयोजन पहले से भव्य होना चाहिए। श्रद्धा का हिसाब भले मन में रखा

जाए, लेकिन चंदे का हिसाब रजिस्टर में बिल्कुल पक्का होना चाहिए। आखिर भक्ति में पारदर्शिता भी जरूरी है-कम से कम रसीद तक!

भजन-कीर्तन में भी प्रतिस्पर्धा कम नहीं है।

एक मंडली ने माइक लगाया तो दूसरी ने उससे ऊँचा स्पीकर लगा दिया। पहली मंडली ने भजन शुरू किया, दूसरी ने जवाब में ढोल बजा दिया। अब भगवान किसकी सुन रहे हैं, यह तो वही जानें; लेकिन पड़ोसियों को दोनों की सुननी पड़ रही है। कुछ भक्तों की मान्यता है कि जितनी ऊँची आवाज, उतनी ऊँची भक्ति। उन्हें कौन समझाए कि भगवान बहरे नहीं हैं और पड़ोसियों के भी कान होते हैं!

सबसे दिलचस्प दृश्य तब दिखाई देता है, जब लोग चंद्रमा की पूजा करके घर लौटते हैं और रास्ते में किसी गरीब, बुजुर्ग या जरूरतमंद को देखकर नजरें फेर लेते हैं। चाँद की शीतलता का गुणगान करने वालों के व्यवहार में गर्मी बनी रहती है। खीर का कटोरा चाँदनी में रखने की चिंता है, लेकिन भूखे के कटोरे में दो चम्मच खीर डालने का समय नहीं है। वैसे शरद पूर्णिमा का असली संदेश तो प्रेम, शांति, सद्भाव और मन की पवित्रता है। लेकिन हमने हर पर्व को दिखावा की प्रतियोगिता बना दिया है। पूजा कितनी प्यार हुई, सजावट कितनी महँगी थी, कितने लोग आए और कितनी तस्वीरें वायरल हुईं-इन सबका

हिसाब रखा जाता है। बस यह हिसाब रखना भूल जाते हैं कि त्योहार मनाने के बाद हमारे भीतर कितनी इंसानियत बची।

काश! इस शरद पूर्णिमा में चाँदनी केवल छतों पर रखी खीर पर ही नहीं, हमारे विचारों पर भी पड़े। अमृत केवल कटोरों में नहीं, हमारी वाणी में भी उतरे। भक्ति केवल आरती की थाली में नहीं, हमारे व्यवहार में भी दिखाई दे।

क्योंकि चाँदनी में खीर रखने से अमृत मिले या न मिले, लेकिन किसी भूखे को भोजन कराने से उसके चेहरे पर मुस्कान जरूर आ सकती है। चाँद की रोशनी उधार की होती है, मगर इंसानियत का उजाला अपना होता है!

महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर व्याख्यान आयोजित, विभिन्न वर्गों के समाजसेवियों को समरसता सम्मान

समरसता और सद्भाव भारतीय संस्कृति के मूल संस्कार : सबनानी

ग्वालियर जीएनएस
महर्षि वाल्मीकि ने प्रभु श्रीराम के सामाजिक चरित्र के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्ता को उजागर किया। भारत का मूल स्वभाव अध्यात्म है, जो व्यक्ति को 'मैं' से ऊपर उठकर 'हम' की भावना के साथ जीना सिखाता है। समरसता और सामाजिक सद्भाव भारतीय संस्कृति के मूल संस्कार हैं। इन्हें आत्मसात करने के साथ अपने आचरण में भी उतारना जरूरी है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर सामाजिक सद्भाव कार्य की ओर से बेटी बचाओ

तिराहा पर आयोजित व्याख्यान में कही।
सबनानी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज को अध्यात्म और समरसता का संदेश दिया। उनके अनुसार, आक्रांताओं और अंग्रेजों ने बांटो और राज करो की नीति अपनाकर भारतीय संस्कृति और संस्कारों की पहचान को कमजोर करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के मूल्यों को जीवन में अपनाने के साथ उनका पालन भी जरूरी है। समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए, ताकि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सके।



समाज को जोड़ने में संस्कृति की अहम भूमिका
सबनानी ने कहा कि भारत अपनी सनातन संस्कृति की ओर लौट रहा है। विश्व के विकसित देशों में आर्थिक संपन्नता के

बावजूद सामाजिक ताने-बाने से जुड़ी चुनौतियां दिखाई देती हैं। ऐसे में भारतीय संस्कृति के मूल्यों, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक सद्भाव का महत्व बढ़ जाता है। महर्षि वाल्मीकि के

आदर्श समाज को जोड़ने और प्रत्येक वर्ग को सम्मान देने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में तीर्थ मिश्रा, ब्रह्मप्रसाद कोडारकर और स्वराज कागोरिया मंचासीन रहे। अमरीश भदौरिया ने स्वागत भाषण दिया, गिरधारी चौहान ने अतिथियों का परिचय कराया और दामोदर राठौर ने स्वागत किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना गोपाल जाटव ने रखी।

इस अवसर पर अमरीश भदौरिया, गिरधारी चौहान, गोपाल जाटव, दामोदर राठौर और राजेश कटारे ने कपिल भार्गव सहित विभिन्न वर्गों के समाजसेवियों को समरसता सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश

कटारे ने किया।

कार्यक्रम में ब्रजमोहन श्रीवास्तव, नीलेंद्र तोमर, देवेंद्र भार्गव, रामरक्षाणी, रामनारायण मिश्रा, रामकुमार पांडे, कारेलाल कुशवाह, काशीनाथ जाटव, हरीलाल भगत, महीपत सिंह गुर्जर, सुमन परिहार, महेश कुशवाह, भूपेंद्र सिंह भदौरिया, बंटी परिहार, राकेश बांगड़े, विजय गुप्ता, जसवंत सोनी, मनोज गोयल, प्रशांत मिश्रा, बल्लू बांगड़े, त्रिलोक राठौर, प्रताप कुशवाह, सृष्टि शर्मा, योगेंद्र चंदेले, राजीव बांगड़े, रामसेवक टुडेले, गजेंद्र शर्मा, दिनेश तोमर, जितेंद्र यादव, अनिल बाल्मीक और सुनील भदौरिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दौड़ में महिला वर्ग में प्रकृति और पुरुष वर्ग में आदित्य रहे प्रथम रेड रन मिनी मैराथन में युवाओं ने दिया नशामुक्ति और एड्स जागरूकता का संदेश



ग्वालियर जीएनएस
मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में विश्वविद्यालय स्तरीय 'रेड रन' मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। 'यूथ ओगैस्ट नशा, टीबी एवं एचआईवी-एड्स' थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लेकर नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

कार्यक्रम में एलएनआईपीई के प्रभारी कुलपति प्रो. जोसफ सिंह, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. हरिशंकर कंसाना, एलएनआईपीई के प्रभारी कुलसचिव प्रो. एमके सिंह, डॉ. यतेंद्र सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एन. बु. आर. कृष्णन, खेल प्रबंधन एवं प्रशिक्षण विभागाध्यक्ष प्रो. वाईएस राजपूत, डॉ. सचिन गुप्ता, माधव महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी और राष्ट्रीय

सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय पांडे सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई। जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। एलएनआईपीई के प्रभारी कुलपति प्रो. जोसफ सिंह ने कहा कि खेल और शारीरिक स्वास्थ्य जीवन के अभिन्न अंग हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रहने और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

पारंपरिक गीत-नृत्य से सजी शाम करमा महोत्सव में दिखी आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपरा

ग्वालियर जीएनएस
उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज समिति की ओर से मानस भवन, फूलबाग में करमा महोत्सव पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बैगा रघुवीर भगत ने करमा वृक्ष की टहनियों की विधिविधान से पूजा-अर्चना कराई और पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा सुनाई। इसके बाद समाज के लोगों ने घंट, मांदर और नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक गीत गाए और नृत्य कर करमा देव के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। महोत्सव के समापन पर करमा वृक्ष की टहनियों का रमौआ बांध में विसर्जन किया गया।

समिति के सचिव रामेश्वर राम पटेल ने कहा कि आदिवासी समाज प्राचीनकाल से ही प्रकृति का उपासक रहा है। नदी, नाले, जंगल और पेड़-पौधे आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली के अभिन्न अंग हैं। करमा पर्व भाई-बहन के अटूट विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। इस अवसर पर



अविवाहित युवतियां उत्तम वर की कामना के साथ पूजा-अर्चना करती हैं।

पटेल ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए करमा वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इसी मान्यता के चलते उरांव समाज में प्राचीनकाल से करमा पर्व मनाया जाता रहा है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण, पारिवारिक संबंधों की मजबूती और सामाजिक एकता का संदेश देता है। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक महेशराम भगत, अध्यक्ष जगपति

भगत, उपाध्यक्ष चनमन राम भगत और कोषाध्यक्ष जतरू राम भगत सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सचिव रामेश्वर राम पटेल ने महेशराम भगत, जगपति भगत, चनमन राम भगत, जतरू राम भगत, महावीर राम भगत, सुखदेव राम भगत, बोलवा राम भगत, देवचरण राम भगत, विजय राम भगत, नंदलाल राम भगत, पतरू राम भगत, महादेव राम भगत, लच्छू राम तिकी, शंकर राम भगत, जगमोहन राम भगत और विजेंद्र भगत का अभिनंदन किया।

पूर्व विधायक ने लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम स्थित मंदिर में की पूजा-अर्चना, सामाजिक समरसता का संकल्प दिलाया

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से मजबूत होगा सामाजिक सद्भाव : पाठक

ग्वालियर जीएनएस
महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सत्य, करुणा, मर्यादा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। रामायण में वर्णित आदर्श आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। यह बात पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक समरसता मंच की ओर से

संयोजक गोपाल गोडयाले और अनिल गोडयाले ने किया।

कार्यक्रम में प्रवीण पाठक ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद लड्डू और केले का भोग लगाकर उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चरणों में नमन किया।

पाठक ने कहा कि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का जीवन और उनकी शिक्षाएं मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान हैं। उन्होंने अधर्म पर धर्म की विजय, सत्य, करुणा और सामाजिक समरसता का मार्ग



दिखाया। रामायण के श्लोक आज भी मर्यादित और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से महर्षि वाल्मीकि के विचारों को जीवन में अपनाने और समतामूलक, सौहार्दपूर्ण

समाज के निर्माण के लिए मिलकर प्रयास करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के अंत में अनिल गोडयाले ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व सभापति राकेश माहौर, विजय गोडयाले, कपिल

भार्गव, भैयालाल भटनागर, सुभाष गोडयाले, धर्मेन्द्र जैन, प्रेमनारायण गोडयाले, विजय शर्मा, हरी जाटव, संजय फडते, लक्ष्मी माथुर, श्याम सुंदर श्रीवास्तव, अंसार खान, श्याम गुप्ता, जंगबहादुर सिंह चौहान, सुधीर राठौर, रिकू कुशवाह, कपिल पाल, आकाश खटीक, उपेन्द्र शंकरण, अरविंद राठौर, अरमान खान, असलम शेर खान, सज्जन चौधरी, दिलीप मिश्रा, आजाद खान, अब्दुल अजीज पारू, शब्बार खान, मोनू भटनागर, राकेश धाकड़, नरेंद्र मैकले, हरेंद्र बघेल, संतोष गोडयाले, धनीराम धौलपुरिया, मुलालाल चौहान, जानी जैसवानी, पवन

चौहान, जयप्रकाश जगवानी, भूरे घेष्ट, मनोज चौधरी, बंटी पथरोल, रज्जन धौलपुरिया, अनिल नरवारे, रिकू सिहोत, संजीव जयंत, मेवाराम गोडयाले, लक्ष्मण गोडयाले, राजेश गोडयाले, प्रेम मराटिया, विकी चौहान, सतीश गोडयाले, सोम गोडयाले, हिमांशु गोडयाले, बंटी चौहान, कपिल चौहान, ऋषि गोडयाले, गजेंद्र खरे, गजेंद्र पथरोल, किशन भगत, अविनाश, टिछू भदौरिया, संस्कार भटनागर, वीरू करोसिया, राजकुमार बागड़े, उमेश गौहर, नरेंद्र यादव, नरेंद्र बोहरे, दीपक पिप्पल और नरेंद्र बाल्मीक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।